दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 181 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 30 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

लखीसराय में नीतीश कुमार पर जमकर बरसें गृह मंत्री अमित शाह, बोलेः पलटू बाबू नीतीश कुमार पूछ रहे थे कि 9 वर्षों में क्या किया

नीतीश कुमार पर अमित शाह का तंजः नीतीश बाबू जिनके साथ इतना बैठे, जिनके चलते मुख्यमंत्री बने उनका थोड़ा तो लिहाज करिए

अमित शाह ने कांग्रेस पर भी साधा निशाना,कहा; कांग्रेस 20 वर्षों से राहुल गांधी को लॉन्च करने की नाकाम कोशिश कर रही है

पटना/एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज गुरुवार (29 जून) को बिहार में सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधोलखीसराय में जनसभा को सम्बोधित करते हुए गृह मंत्री ने नीतीश कुमार को 'पलटू बाबू' कहकर तंज कसोबिहार में भाजपा के खिलाफ हुई विपक्षी दलों की एकता बैठक पर भी अमित शाह ने हमला बोलोउन्होंने कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी 20 वर्षों से राहुल गांधी को लॉन्च करने की नाकाम कोशिश कर रही है

बताते चलें कि अमित शाह की यह जनसभा मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियां बताने के लिए आयोजित की गई थी इसमें गृह मंत्री ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करने के बाद नीतीश कुमार सहित अन्य विपक्षी पार्टियों को आड़े हाथों लियोउन्होंने कहा कि अभी-अभी पलटू बाबू नीतीश कुमार पूछ रहे थे कि 9 वर्षों में क्या किया ?नीतीश बाबू जिनके साथ इतना बैठे,जिनके चलते मुख्यमंत्री बने उनका थोड़ा लिहाज करिऐपीएम मोदी ने इन 9 सालों में काफी कार्य किया हैमोदी के 9 वर्ष गरीब कल्याण,भारत गौरव,भारत की सुरक्षा के 9 वर्ष हैं

बता दें कि,ऐसा नहीं है कि नीतीश कुमार को किसी नेता ने पहली बार पलटू कहा हैतीन वर्ष पूर्व फखऊ सुप्रीमो लालू यादव भी नीतीश को पलटू कह चुके हैंदरअसल नीतीश कुछ ही वर्षों में 3 दफा पाला बदलकर सरकार बना चुके हैंबता दें कि वर्ष 2013 में नितीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़कर महागठबंधन यानी फखऊ से मिलकर सरकार बनाई,फिर 2017 में फखऊ का साथ छोड़ दिया और वापस भाजपा के साथ सरकार बना लीयही नहीं गत वर्ष यानी 2022 में नितीश कुमार ने वापस भाजपा से रिश्ता तोड़ लिया और महागठबंधन (फखऊ-कांग्रेस) के साथ चले गऐबार-बार पाला बदलने के चलते ही नितीश कुमार पर तंज कसते हुए राजनेता उन्हें पलटू बाबू, पलटू कुमार आदि कहते हैं

बाइडेन की यादाश्त पर उम्र का असर

- यूक्रेन युद्ध पर फिर फिसली जुबान

नई दिल्ली/एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी खराब यादाश्त के लिए अब आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। 80 साल के हो चुके जो बाइडेन की अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में जुबान फिसलने लगी है और वो कहना कुछ चाहते हैं,जबकि उनके मुंह से निकलता कुछ और है। हालांकि,इसके बाद भी जो बाइडेन ने 2024 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान कर दिया है और करीब करीब तय है कि डेमोक्रेटिक पार्टी से जो बाइडेन ही राष्ट्रपति चुनाव में उतरेंगे। ताजा रिपोर्ट ये है कि जो बाइडेन एक बार फिर से भूल गये कि युद्ध यूक्रेन में चल रहा है। अमेरिका के 80 साल के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को कहा है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन इराक में युद्ध हार रहे हैं, जबकि उन्हें इराक नहीं यूक्रेन कहना चाहिए था।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर हिंसा में चीन का हाथ,फिर भी चुप है प्रधानमंत्री,संजय राउत ने बोला बीजेपी पर हमला

नई दिल्ली। मणिपुर में लगभग दो महीने बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्र सरकार मणिपुर में हालात सामान्य करने को लेकर हर संभव प्रयास कर रही हैं। वहीं,उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वहां के हालात इसलिए भी बिगड़ रहे है क्योकि वहां पर चीन का हस्तक्षेप है। यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि मणिपुर जल रहा है और पीएम मोदी, गृहमंत्री और रक्षा मंत्री हवा में बातें कर रहे हैं। हमें लगा था कि पीएम अमेरिका जाने से पहले मणिपुर जाकर वहां की जनता से बात करेंगे। वहीं,गृहमंत्री की सर्वदलीय बैठक से भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया।

उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर में हो रही हिंसा में चीन का हाथ है,लेकिन सरकार चीन का नाम लेने से बच रही है। वहीं,कांग्रेस नेता राहुल गांधी मणिपुर दौर पर जा रहे हैं। वो वहां पर लोगों से बातचीत करेंगे,अगर वहां पर शांति कायम हो जाती है तो हम उनके दौरे का स्वागत करेंगे।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

63,384.58+466.95 (0.74%)

निफ्टी

18,826.00+137.90 (0.74%)

मणिपुर में राहुल गांधी के काफिले को रोका गया; दावा- हिंसा का हवाला देकर आगे जाने से रोक रही पुलिस

इंफाल(मणिपुर)/एजेंसी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी आज गुरुवार को मणिपुर पुहंचे। यहां से इंफाल जाते वक्त पुलिस ने उनके काफिले को रास्ते में ही रोक दिया। जानकारी के मुताबिक,इंफाल से करीब 20 किलोमीटर पहले विष्णुपुर जिले में राहुल के काफिले को रोका गया है। पुलिस इलाके में हिंसा और आगजनी की घटनाओं को देखते हुए उन्हें आगे जाने की इजाजत नहीं दे रही है।

इस बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि राहुल गांधी के काफिले को बिष्णुपुर के पास पुलिस ने रोक दिया है। पुलिस का कहना है कि वे हमें इजाजत देने की स्थिति में नहीं हैं। राहुल गांधी का अभिवादन करने लिए लोग सड़क के दोनों ओर खड़े हैं। हम समझ नहीं पा रहे हैं कि उन्होंने हमें क्यों रोका है?

वहीं,पुलिस की ओर से भी बयान जारी किया गया। मीडिया रिपोर्ट में विष्णुपुर एसपी के हवाले से बताया गया कि इलाके हालात चिंताजनक हैं। कुछ जगहों पर हाल ही में गोलीबारी और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। ऐसे में हम राहुल गांधी की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते और उन्हें आगे जाने की इजाजत देने की स्थिति में नहीं हैं।

फोन पर रटर आया, लिंक पर क्लिक किया और खाते से उड़ गए 2.19 लाख रुपये

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत में हर रोज साइबर फ्रॉड हो रहे हैं। आए दिन लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। साइबर फ्रॉड की शिकायत के लिए कई सरकारी पोर्टल भी लॉन्च हुए हैं लेकिन ये कारगर साबित नहीं हो पा रहे हैं। देश में सबसे ज्यादा फ्रॉड रिमोटली एप के जरिए हो रहा है। रिमोटली एप ऐसे एप होते हैं जिनकी मदद से किसी अन्य व्यक्ति के फोन को दूर बैठे कोई भी कंट्रोल कर सकता हैं। अब इसी तरीके से चंडीगढ़ के एक शख्स को निशाना बनाया गया है। पीड़ित के पास एक रटर आया था जिसमें एक लिंक भी था। लिंक पर क्लिक करने के बाद पीड़ित के खाते से 2.19 लाख रुपये गायब हो गए। पीड़ित राजेश कुमार वर्मा ने इस संबंध में पुलिस से शिकायत की है। शिकायत में दावा किया गया है कि राजेश कुमार को एक मैसेज मिला जिसमें एक वेब लिंक भी था जिस पर क्लिक करने के बाद उनका फोन हैक हो गया और बैंक अकाउंट से 2.19 लाख रुपये निकाल लिए गए।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

कोल डंपिंग यार्ड बनाने के लिए रातोंरात कटवा दिए 542 पेड़

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। में बीजीआर कंपनी को हरे पेड़ पौधों को काटना भारी पड़ गया है. दरअसल, वन विभाग ने कंपनी के महाप्रबंधक सहित पांच लोगों पर पेड़ काटने के मामले में वन अधिनियम के तहत सीजेएम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराया है. बता दें कि, उपराजधानी दुमका में बीजीआर कंपनी कुरुआ रेलवे स्टेशन के पास कोल डंपिंग यार्ड बनाना चाहती थी और यार्ड बनाने में स्टेशन के पास काफी संख्या में हरे पेड़-पौधे थे जो यार्ड के लिए बाधक बन रहे थे. ऐसे में कंपनी के अधिकारीयों ने बिना वन विभाग के अनुमति से रातो रात 542 हरे पेड़-पौधे कटवा डाले और काटे गए पेड़ को गायब भी करवा दिया.

वहीं वन विभाग को 26 जून को इसकी जानकारी मिली, तो डीएफओ दुमका ने वन विभाग के टीम के साथ इसकी जांच की. वहीं जांच के दौरान एक ट्रैक्टर में लदे करीब 70 बोटा (लकड़ी का टुकड़ा) को जब्त किया गया. हालांकि, अधिकारियों को देख वहां मौजूद लोग लकड़ी से लदे ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गए. इसके बाद आसानबनी वन विभाग के फॉरेस्टर जितेंद्र प्रसाद सिंह ने कंपनी और रेल अधिकारियों के खिलाफ वन अधिनियम के खिलाफ सीजेएम कोर्ट दुमका में मामला दर्ज कराया.फॉरेस्टर जितेंद्र प्रसाद सिंह ने अपने लिखित शिकायत में कहा है कि, 26 जून को वनरक्षी को पता चला कि कुरुआ रेलवे स्टेशन से आंदिपुर ओवरब्रिज तक बीजीआर कंपनी के अधिकारियों के आदेश पर लगे 542 हरे पेड़-पौधे को स्थानीय लोगों के मदद से कटवा दिया गया. साथ ही उन लकड़ियों को भी गायब करवा दिया गया. यही नहीं पेड़ कटाई के बाद उस जगह को मशीन के द्वारा समतल भी करवा दिया गया. जांच में पहुंचे वन विभाग की टीम ने मौके पर लकड़ी से लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है. वन विभाग ने कंपनी के जीएम मीसा रविन्द्र, प्रबंधक बी कुमार स्वामी रेड्डी, अभियंता उसाला नागार्जुन, ईस्टर्न रेलवे रामपुरहाट के अभियंता मुकेश कुमार, सहायक अभियंता रामबालक महतो को आरोपी बनाते हुए सीजेएम के यहां मामला दर्ज कराया है.यहां बता दें कि बीजीआर कंपनी पाकुड़ के आमड़ापाड़ा स्थित नॉर्थ ब्लॉक पचुवाड़ा कोल माइंस से कोयले की खुदाई कर उसे दुमका रेलवे स्टेशन के सामने जमा करती है और उसे रेल मालगाड़ी के सहायता से पश्चिम बंगाल भेजती है. दुमका में कोयले के भंडारण के लिए यार्ड विस्तार की योजना है और इसी योजना को लेकर कंपनी कुरुआ रेल स्टेशन के समीप यार्ड बना रही थी, जिसकी अनुमति हावड़ा डिवीजन द्वारा मिला था.

उपराजधानी में हर्षोल्लास के साथ मना बकरीद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। त्याग और बलिदान का त्योहार बकरीद दुमका शहर तथा आस-पास के ग्रामीण इलाकों में गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दुमका जिला के सभी मस्जिदों एवं ईदगाहों में मुस्लिम भाईयों ने नमाज अदा की। सुबह 6 बजे से ही मस्जिदों पर मुस्लिम भाईयों की भीड़ लग गई थी। नमाज करने के वक्त मस्जिदों एवं ईदगाहों पर पुलिस की भारी संख्या में तैनाती की गई थी। यह इस्लाम धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है। इसे खुदा की राह में अपनी प्यारी चीज की कुर्बानी देने की याद में मनाया जाता है। यह पाक त्योहार लोगों के जीवन में त्याग और बलिदान की प्रेरणा देता है। इस त्योहार को लेकर यहां सुबह से ही चहल-पहल देखी गई। कुर्बानी के इस त्योहार को मुस्लिम समुदाय के लोग बड़े उत्साह के

साथ मनाते हैं। बकरीद के मुबारक मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यहां के मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा की। दुमका में हो रही बारिश के कारण इस बार दुधानी स्थित ईदगाह में बकरीद की नवाज अदा नही की गई। वही दुधानी मस्जिद में भीड़ होने के कारण दो बार नवाज अदा कराई गई। यहां के जामा मस्जिद में सुबह से ही नमाज अदा करने वालों की भीड़ देखी गई। इसके साथ ही शहर के डंगालपाड़ा, दुधानी, कुम्हार पाड़ा, खिजुरिया, जरूवाडीह आदि मुहल्लों में स्थित मस्जिदों में बकरीद की सामूहिक नमाज अदा की गई तथा नमाज खत्म होने पर एक दूसरे से मिलकर बकरीद की मुबारकवाद दी गई। इस त्योहार मैं बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा है। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपनी हैसियत के अनुसार बकरे की कुर्बानी देकर इस त्योहार की खुशियां मनाई ।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी जी ने पीड़ित परिवार को दी दस हजार रुपए की आर्थिक मदद

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। स्वामी प्रणवानंद सेवा मिशन पाटजोड़ के स्वामी चरण महाराज उर्फ बाबलू महाराज ने गुरुवार को दुमका प्रखंड के धाजापाड़ा गांव पहुंचकर दिवंगत आदिम जनजाति पहाड़ियां रंजीत पूजहर,पुत्री झुमकी एवं पुत्र अरुण के परिजनों की सुधी ली। बताते चलें कि पिछले दिनों मसानजोर डैम के जलाशय में नहाने गए तीनों की मौत जलाशय में डूबने से हो गई थी। स्वामी जी ने मृतक की माता कमली पूजहर उम्र 50 एवं पत्नी निशा पूजहर को साड़ी भेंट की हैं।साथ ही पीड़ित परिवार को आश्रम की ओर से नगद दस हजार आर्थिक मदद की हैं ।मौके पर स्वामी जी के साथ आश्रम के बिटिनी सोरेन,सीमा टुडू एवं दिनेश हेम्ब्रम मौजूद थे ।आश्रम के स्वामी ने मृतक रंजीत की पत्नी निशा को पुत्र बरुण उम्र 12 एवं पुत्री पिंकी उम्र 9 को आश्रम की ओर से गोद लेने के साथ यहां निशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया हैं।

बिना माइनिंग चालान पत्थर चिप्स लेकर परिवहन कर रहा ट्रक जब्त

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 28 जून की रात शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सरसडंगाल चेकपोस्ट पर वाहन जांच के क्रम में चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी द्वारा ट्रक संख्या-बीआर 21-एच-5567 को फर्जी चालान के साथ पत्थर चिप्स परिवहन करते जब्त किया गया है।

हूल दिवस की पूर्वसंध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्विद्यालय में हूल दिवस की पूर्वसंध्या के अवसर पर प्रशासनिक भवन के सम्मेलन कक्ष में एक कवि सम्मेलन आयोजित की गयी. जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो डॉ विमल प्रसाद सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह ने कहा कि हूल कि पूर्वसंध्य पर विभिन्न भाषाओं के कविता के माध्यम से हमसभी ने हुल के वीर शहीदों को याद किये और कविता के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी. वरिष्ठ उपस्थिति डॉ रामवरण

चौधरी ने आंधी शीर्षक कविता का पाठ किया, वरिष्ठ कवि शंभुनाथ मिस्त्री ने अंगिका कविता का पाठ किया। अशोक सिंह ,शिवलाल मुर्मू, अरुण सिन्हा, अमरेंद्र सुमन, राजीव नयन तिवारी, डॉ धनंजय मिश्र, दुर्गेश चौधरी, निर्मल टुडू, रोहित अम्बष्ट ,मनोज मुर्मू, संगीता मुर्मू, एवं अन्य ने हूल की शौर्य गाथा कहती कविताओं का पाठ किया। कवि सम्मेलन का संयोजन अंजनी शरण ने किया जबकि संचालन एस. पी. महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. यदुवंश प्रणय ने किया।विश्वविद्यालय में हूल दिवस के अवसर पर ऐसे आयोजन की संकल्पना को आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित कवि एवं प्रबुद्ध जन बहुत खुश थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा ने आगंतुक अतिथियों और उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के लिए विश्वविद्यालय संकल्पित है, सांस्कृतिक शैक्षणिक परम्परा के विस्तार में आगे भी ऐसे आयोजन किए जाते रहेंगे। सभा के अंत में कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा ने सभी कवियों और आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन कि मयूराक्षी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कवि सम्मेलन में हिंदी, संथाली एवं अंगिका कविताओं का पाठ किया गया। काव्यपाठ में डॉ. बिनय कुमार सिन्हा, डॉ. एस एन अधिकारी, डॉ. इन्द्रनील मंडल, डॉ. निलेश कुमार, डॉ. अजय कुमार सिन्हा, डॉ. संजीव सिन्हा, डॉ. काशीनाथ झा, डॉ. संजय कुमार सिन्हा, डॉ. राजेश प्रसाद,डॉ. निरंजन मंडल, डॉ. स्वतंत्र सिंह, डॉ. कमल शिवकांत हरी, बिजय कुमार, डॉ. संभु सिंह, राजीव केरकेटा, डॉ. डी एन गोरेन आदि उपस्थित थे.

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए विधायक दिनेश मरांडी,विजेता व उपविजेता टीम को किया पुरस्कृत

खेल को निष्ठा व समर्पण के भाव से खेला जाना चाहिए,खेल के माध्यम से आप समाज,राज्य व देश का नाम रौशन कर सकते हैं :दिनेश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश मरांडी गुरुवार को गोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार स्थित फुटबॉल मैदान में बाबा तिलका मांझी क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतिम दिन आज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक के आगमन पर भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं एवं कमेटी के सदस्यों ने आदिवासी परम्परा से उनका स्वागत किया। इसके पूर्व विधायक ने वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में विजेता और उपविजेता टीम

को विधायक ने पुरस्कृत किया। विधायक ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी को हुल दिवस का जोहार। उन्होंने कहा कि खेल को समर्पण व निष्ठा के भाव से खेला जाना चाहिए। खेल के माध्यम से आप समाज,राज्य व देश का नाम रौशन कर सकते है।खेल को बढ़ावा देने के लिए झारखण्ड की हेमन्त सोरेन सरकार ने ढेरों योजनाओं को धरातल पर उतारा है। जिस कारण झारखण्ड के कई खिलाड़ी राज्य व देश सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा चुके है। इस मौके पर जीप सदस्य निशा सबनम हांसदा, विधायक प्रतिनिधि लखीचंद मंडल, सांसद प्रतिनिधि सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संतोष मरांडी,सुरजुडीह पंचायत मुखिया ज्योतिष बास्की, वरिष्ठ कार्यकर्ता हराधन पाल, आरनेंस्ट हांसदा, मनोज हांसदा, अमित भगत सहित सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित थें।

बिना ई परिवहन चालान परिवहन कर रहा पत्थर चिप्स लदा ट्रक जब्त, ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 28 जून की रात शिकारीपाड़ा थाना पुलिस द्वारा गस्ती के क्रम में वाहन जांच के दौरान ट्रक संख्या जेएच 02-एएफ-0927 को बिना ई परिवहन चालान पत्थर चिप्स परिचालन करते हुए जब्त किया गया, मौके से ट्रक मालिक को भी पकड़ा गया है।मामले में थाना प्रभारी शिकारीपाड़ा द्वारा कांड दर्ज कर ट्रक संख्या जेएच 02-एएफ-0927 को जप्त कर ट्रक के मालिक संधीर कुमार यादव पिता कामू यादव साकिन जहांगीरपुर,थाना अस्थामा जिला नालंदा (बिहार) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

काले हीरे की चमक ने बीजीआर कंपनी को किया मदमस्त, कोयला डंपिंग यार्ड में बाधा बन रहे पेड़ों को बिना अनुमति काट डाला, कहां है जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाले

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। इस्टर्न रेलवे के कुरूवा रेलवे स्टेशन पर बीजीआर कंपनी के द्वारा बनाए जा रहे कोयला डंपिंग यार्ड में बाधा बन रहे हरे भरे 542 पेड़ों को बिना विभाग की अनुमति लिए बीजीआर कंपनी के कर्मी और रेलवे के पदाधिकारियों की मिली भगत से काट दिया गया है। इस मामले में जब वन विभाग को खबर मिली तो वह सन्न रह गया। इस मामले में आसनबनी पन पदाधिकारी जितेन्द्र प्रसाद सिंह ने बीजीआर कंपनी के महाप्रबंधक मीसा रविन्द्र,बी कुमार स्वामी रेड्डी,उसाला नागार्जुन और इस्टर्न रेलवे रामपुरहाट के अभियंता मुकेश कुमार और सहायक अभियंता राम बालक महतो के उपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के यहां मामला दर्ज कराया है। बीजीआर की प्लानिंग इतनी तगड़ी थी कि कानों कान किसी को पता नहीं और मामला फिट । हद तो तब हो गई जब पेड़ों को काट कर गायब भी किया जा रहा था पर वन रक्षी को पता चल जाने के कारण इसका भंडा फोड़ हो गया। अब सवाल है कि जल जंगल और जमीन की बात करने वाले महाशय अब तक चुप क्यों हैं। हालांकि फैसला आने तक सामने क्या आएगा यह भविष्य पर निर्भर है। लेकिन काले हीरे की चमक की धमक से बीजीआर कंपनी और रेलवे के कुछ भ्रष्ट पदाधिकारियों की मिली भगत से संथाल परगना की हरियाली से खिलवाड़ कर मालामाल बनने की साज़िश है यह। यहां की हरियाली से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सिविल सोसायटी इस मामले की गहराई से जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग करती है । इस संबंध में सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, सचिव संदीप कुमार जय बमबम, प्रेम केशरी, प्रदीप्त मुखर्जी, राजेश कुमार राउत,सूरज केशरी , जगन्नाथ पंडित आदि ने आक्रोश जताते हुए कहा कि बीजीआर कंपनी और रेलवे के कुछ भ्रष्ट पदाधिकारियों ने मिलकर दुमका रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र को नर्क बना दिया है। विकास जरूरी है पर लोगों के सेहत से समझौता कर नहीं।

पाकुड़ शहर में बढ़ रहे चोरी की वारदातों को अंकुश लगाने को ले भाजपा के प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिले

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय के नेतृत्व मं. पुलिस अधीक्षक पाकुड़ के कार्यालय कक्ष में मिलकर शहर में बढ़ रहे वारदातों के संबंध में पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन का ध्यान आकृष्ट कराया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, पुलिस उपाधीक्षक(मु) बैजनाथ प्रसाद मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह, निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिकेत गोस्वामी, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री राजा अंसारी, नगर उपाध्यक्ष पिंका पटेल, पूर्व नगर महामंत्री पवन भगत, सुशील साहा, पुरुषोत्तम राय सहित पीड़ित परिवार के सदस्यगण भी शामिल थे। उपस्थित प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए शहर के सभी मोहल्लों में पुलिस गश्ती बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग किया।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से शहरवासी दहशत में है और असामाजिक तत्वों का मनोबल इतना बड़ा

हुआ है कि एक ही रात में कई घरों को निशाना बना रहे हैं। पीड़िता उर्मिला भगत ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई और चोरी का यथाशीघ्र उदभेदन कर चोरी की गई जेवरात एवं नगदी रकम वापस दिलाने का मांग की। शहर के कई मोहल्लों में जगह-जगह प्रतिदिन पूरी रात जुआ का खेल चलता है।कई मोहल्लों में जुआ का स्थाई अड्डा बन चुका है और हो रही चोरी की घटनाओं को एक प्रमुख कारण शहर में जुआ का अड्डा भी है। पुलिस अधीक्षक महोदय ने भाजपा प्रतिनिधिमंडल के बातों को गंभीरता से सुना और चोरी की घटनाओं को यथाशीघ्र उदभेदन करने और उस सभी मोहल्लों में पुलिस गश्ती बढ़ाने और मोहल्ला समिति बनाने का आश्वासन दिया,साथ ही खुद सर्तक रहने और जागरूक रहने का सुझाव दिया।उन्होंने कहा पुलिस अपना काम मुस्तैदी से करेगी साथ ही शहर के नौजवानों से सहयोग की अपेक्षा हैं। पीड़िता के साथ संजीव भगत,भवेश भगत, परितोष भगत आदि मौजूद थे। आगामी दिनों पाकुड़ नगर में सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपायुक्त पाकुड़ श्री वरूण रंजन से एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर सीसीटीवी कैमरा पाकुड़ नगर में लगाने की मांग करेगा।इसके पूर्व में भी सीसीटीवी लगाने से संबंधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया है।लेकिन उस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं किया गया है।

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह घर घर जाकर चलाए महा जनसंपर्क अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हिरणपुर(पाकुड़)। महा जनसंपर्क अभियान के तहत एक दिवसीय लिट्टीपाड़ा विधानसभा प्रवास पर आये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी का हिरणपुर भाजपा कार्यालय में स्वागत किया गया ,साथ ही उन्होने कई विशिष्ट परिवारों का घर- घर जा कर सम्पर्क किये, और माला पहनाकर उनका स्वागत किये तथा एवं केंद्र सरकार के नो वर्ष का उपलब्धि कार्ड देकर फिर से 2024 में मोदी जी को जिताने का आशीर्वाद मांगा। स्वतंत्र देव सिंह जिनके घर घर जाकर संपर्क किये उनमें राजेंद्र प्रसाद साहा, तुषार कांति सरकार, अरुण आर्य, मनीष गुप्ता, दिगंबर साहा, राजेंद्र साहा, टुन्टु- शील, अंजन शील मौके पर उपस्थित

थे. लोकसभा प्रभारी सरोज सिंह, लोकसभा संयोजक बबलू भगत, प्रदेश मंत्री मिस्त्री सोरेन,जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, विधानसभा संयोजक दानियल किस्कु २३ प्रदेश कार्य समिति बाबुधन मुर्मू, मंडल अध्यक्ष कैलाश सिंह, जिला मंत्री जामु मरांडी, सोशल मीडिया जिला संयोजक जयंत मंडल, जिला उपाध्यक्ष किस्टु सोरेन, नरेंद्र साहा, मनोज साहा, सुकुमार मंडल, निमाय ठाकुरसंजय मंडल, किरण मंडल, निरंजन भंडारी बलदेव साहा, विप्लव दे, राम सेन, भुवन रविदास, सीताराम पहाड़िया ताला हंसदा, आशीष सेन, संतोष दत्ता, साहेब राम मुर्मू, मेदि किस्कु जीवन हेम्ब्रम मनु हंसदा फिलिप हंसदा, आदि कार्यकर्ताओं मौके पर मौजूद थे।

जिले भर में धूमधाम से मनाया गया बकरीद का पर्व

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। ईद उल अजहा यानी बकरीद का पर्व पाकुड़ सहित सभी प्रखंडों में धूमधाम से मनाया गया। अमड़ापाड़ा प्रखंड के बाजार सहित जामूगड़िया, पाडेरकोला, बासमती मैं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर बकरीद का पर्व मनाया। नमाज अदा करने के बाद बकरे की कुर्बानी दी गई बकरे की गोश्त को लोगों में बांटा गया। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिद एवं मदरसा में नमाज अदा किया गया। इस मौके पर लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे की बकरीद पर्व की बधाई भी दी। मौके पर पुलिस बल सुरक्षा को लेकर तैनात रहे । हिरणपुर प्रखंड में त्याग, बलिदान, और समर्पण का पर्व ईद -उल -अज़हा (बकरीद)

बृहस्पतिवार को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ हर्ष उल्लास से शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। बकरीद को लेकर बृहस्पतिवार सुबह से ही प्रखंड के हाथकाठी स्थित ईदगाह और कमल घाटी स्थित बड़ी मस्जिद सहित ईदगाह और मस्जिदों पर नमाज अता करने के लिए अलग-अलग जगहों पर महिला- पुरुष एवं बच्चे पहुंचने लगे थे। हाथकाठी स्थित ईदगाह में मौलवी हेमाजूउद्दीन अंसारी, बड़ी मस्जिद मैं मौलवी इस्माइल मजहरी आदि ने विभिन्न जगहों पर बकरीद का नमाज अता कराया। बकरीद को लेकर सुबह से ही हिरणपुर पुलिस सहित पदाधिकारी चौक चौराहे एवं ईदगाह सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था रखी थी वही यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए नो एंट्री लगाकर रखे थे।

मृतक मजदुर के परिजनों से मिलने मिहिजाम पहुंचें जामताड़ा विधायक, कहा आश्रितों को उनका हक मिलना चाहिए

विधायक ने परिवार वालों को लिए अंबेडकर आवास और विधवा पेंशन अविलंब देने का दिया आदेश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा। जामताड़ा विधायक डॉक्टर इरफान अंसारी बुधवार को मिहिजाम थाना पहुंचे और मृतक निमाई मंडल के परिवार वालों से मिले। मौके पर मृतक की पत्नी फूली मंडल और दो बेटा सुबोध मंडल और गोपाल मंडल उपस्थित था। मौके पर विधायक ने थाना को फटकार लगाते हुए कहा कि गरीबों को सम्मान और उनका हक मिलना चाहिए। बेवजह उन्हें परेशान ना करें। ज्ञात हो कि बुधवार को निमाई मंडल मजदूरी का काम करता था और वो मिहिजाम के आम बागान मे घर निर्माण का काम कर रहा था और उसी दौरान दीवार ढह जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वह अपने पीछे अपनी पत्नी और दो बेटा को छोड़कर चला गया। परिवार के लोग काफी गरीब है और मजदूरी कर घर का पालन पोषण करता था। मृतक की पत्नी का रो रो कर बुरा हाल था। मौके पर विधायक ने परिवार वालों को काफी समझाया बुझाया और कहां कि इस घटना को तो मैं नहीं टाल सकता परंतु मैं आप लोगों के साथ हूं और आप लोगों को हर संभव मदद के साथ साथ न्याय दिलाऊंगा। मौके पर विधायक ने मकान मालिक

से बात कर मृतक के परिवार को अभिलंब मुआवजा राशि के तौर पर रू 1 लाख देने की बात कही। विधायक जी ने काफी कड़ी शब्दों में मालिक को कहा की हमारे गरीब की जान गई है। इसके परिवार वालों के साथ उचित न्याय होना चाहिए जिस पर मकान मालिक ने 2 से 3 दिनों के अंदर राशि देने की बात की। साथी साथ विधायक ने अपनी ओर से परिवार वालों को रू 20000 का आर्थिक सहायता दिया और आगे भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। साथ ही साथ विधायक ने पोस्टमार्टम जल्द कराने की बात कही और कहा कि सरकार की तरफ से जो भी प्रावधान है वह राशि भी जल्द मुहैया कराऊंगा।आगे विधायक ने परिवार वालों को एक अंबेडकर आवास और विधवा पेंशन अविलंब स्वीकृत करने का निर्देश बीडीओ को दिया।, मौके पर विधायक ने कहा कि मैं लगातार क्षेत्र के विकास के साथ-साथ लोगों के हर सुख दुख में खड़ा रहता हूं। जहां भी कोई घटना घटती है लोग मुझे याद करते हैं। मैं अपनी तरफ से हर संभव मदद करता हूं। मौके पर थाना प्रभारी प्रणय सत्यम इंस्पेक्टर साहब गोपी गोराई मंगल गोराई मुखिया मनोरंजन मरांडी समिति बासु मंडल धनंजय गोराई लालटू धीवर सुबल गोराई परिमल मंडल परवेज रहमान मुन्ना जैन यासर नवाज शैतान मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आई एम ए के द्वारा मिशन पिंक हेल्थ कार्यक्रम दीनबंधु स्कूल में हुआ

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। आई एम ए देवघर के द्वारा ₹मिशन पिंक हेल्थ ₹ कार्यक्रम दीनबंधु स्कूल, देवघर में किया गया । इसमें वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अर्पिता गाँधी, डॉ परमजीत कौर , डॉ मंजरी, डॉ भारती सिंह, डॉ सागरिका, डॉ श्रुति एवं डॉ ऋचा ने आठवीं कक्षा एवं ऊपर की किशोरियों को मासिक धर्म के बारे में जानकारी दी एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया । इसके अलावा 60 किशोरिओं का ब्लड सैंपल हीमोग्लोबिन की जाँच के लिए लिया गया । उनमें खून की कमी पाए जाने पर आयरन एवं फोलिक एसिड की दवाई दी जाएगी । कार्यक्रम के दौरान आई एम ए झारखण्ड उपाध्यक्ष डॉ आर एन प्रसाद, आई एम ए देवघर अध्यक्ष डॉ डी तिवारी, केंद्रीय समिति सदस्य डॉ गोपाल प्रसाद बरणवाल, कोषाध्यक्ष डॉ एन सी गाँधी, सचिव डॉ गौरी शंकर एवं डॉ पंकज गुप्ता उपस्थित थे । इसमें विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों योगदान सराहनीय रहा ।

यही कार्यक्रम कल 30.06.2023 को तक्षशिला विद्यापीठ में सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक किया जाएगा ।

देवघर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत बागमारा स्तिथ अंतर राज्यीय बस स्टेंड मे अस्थाई वाहन पड़ाव शुल्क वसूली बंदोबस्ती दो माह के लिए

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दिनांक 29.06.2023 को नगर आयुक्त सह प्रशासक की अध्यक्षता में देवघर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत बागमारा स्तिथ अंतर राज्यीय बस स्टेंड मे अस्थाई वाहन पड़ाव शुल्क वसूली बंदोबस्ती (सावन मेला एवम भादो मेला 2023 दो माह हेतू) बंदोबस्ती के लिए खुली डाक की गई जिसमे इगरह आवेदक कर्ता के द्वारा भाग लिया

डाक की न्यूनतम फ़र.1,50,000.00 /थी जिसमें राहुल रोशन के द्वारा उच्चतम डाक की बोली RS 17,40,000.00 / लाख लगा कर प्राप्त किया गया।

साथ ही 6 दुकानों के लिए विशाल कुमार, विकास कुमार केशरी, बबलू चौधरी एवम अन्य को आवंटन किया गया।

उक्त डाक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, सुधांशु शेखर, नगर प्रबन्धक, जय शंकर साह,टैक्स दारोगा, प्रभाकर मिश्रा, शंकर चक्रवर्ती एवम अन्य कर्मी।

भाजपा द्वारा जनसभा का किया गया आयोजन

फतेहपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। महाजनसंपर्क अभियान के तहत बिंदापाथर मंडल के तोड़ो गांव में भारतीय जनता पार्टी का एक विशाल जनसभा का कार्यक्रम रखा गया!जिसमें भाजपा के दुमका लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील सोरेन उपस्थित हुए । सभा को संबोधित करते हुए सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि पीएम मोदी ने 9 साल में जो विकास का काम किया है उसे 65 साल में भी महागठबंधन के लोगों ने नहीं किया! आज नाला विधानसभा के रेनाकूड़ा घाट से सैकड़ों की संख्या में ट्रकों से अवैध रूप से बालू को बिहार में खपाया जा रहा है, लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि खुलेआम छूट दे रखा है जो एनजीटी के नियम के विरुद्ध हो रहा है! नाला विधानसभा के लोगों को रोजगार के लिए बंगाल, उड़ीसा, गुजरात जाना पड़ता है!इनके रोजगार के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है! कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत्यानंद झा, जिला परिषद के अध्यक्ष राधारानी सोरेन, विष्णु मंडल, अमित भैया, नव गोपाल सिंह, जय मंगल चौधरी, राजेश चौधरी, रंजीत चौधरी, बीरबल चौधरी, सुभाष चौधरी, गौउर चौधरी, एकांत महतो, कृष्णा महतो, तीर्थनाथ मंडल, प्रमोद गोस्वामी, अविता हांसदा, जयप्रकाश सिंह, भोला सिंह, विक्रम सिंह, रोहित मिर्धा आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि के निधन पर विधायक ने जताया शोक

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रहे स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू के निधन की सूचना पाकर स्थानीय विधायक दिनेश मरांडी ने पाडेरकोला पंचायत के सलपतरा स्थित स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू के आवास पहुँच शोक जताया। ज्ञात हो कि स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू का निधन 27 जून दिन मंगलवार को हो गया था, वो लंबे समय से बीमार थे। विधायक श्री दिनेश मरांडी ने स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू के परिजनों से मिल सांत्वना दिया, व ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति हेतू प्रार्थना की। विधायक दिनेश मरांडी ने कहा कि स्वर्गीय कोर्नेलियुस मुर्मू पार्टी के सच्चे सिपाही थे। उनके आकस्मिक निधन से सभी को दुःख पहुंचा है, पार्टी के मजबूती के लिए वे दिन रात लगे रहते थे। विधायक श्री दिनेश मरांडी ने उनके परिजनों से कहा कि पार्टी इस दुःख की घड़ी में उनके साथ है साथ ही किसी प्रकार की दिक्कत होने पर वे हर संभव मदद को तैयार है। मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि भीमसेन्ट हेम्ब्रम, केंद्रीय समिति सदस्य अमित भगत, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला सदस्य कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष सह जिला समिति सदस्य संतोष भगत, जिला समिति सदस्य संजीत भगत, जिला समिति सदस्य नाजिर सोरेन, मीडिया प्रभारी आफताब आलम, वरिष्ठ कार्यकर्ता गोपाल सिंह, श्यामलाल हांसदा, राजीव कुमार, रंजीत भगत, रमेश मुर्मू, साहेबजन मरांडी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीडीसी ने लिया राजकीय श्रावणी मेला के मद्देनजर बासुकीनाथ धाम में तैयारियों का जायजा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा, द्वारा आगामी राजकीय श्रावणी मेला के मद्देनजर बाबा बासुकीनाथ धाम में तैयारियों का जायजा लिया। शिवगंगा रूट लाइनिंग, संस्कार मण्डप, क्यू काम्प्लेक्स, जलार्पण काउन्टर आदि का निरीक्षण किया और जरूरी दिशा निर्देश दिये। कांवरियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने एवं मंदिर तथा आस पास क्षेत्र की नियमित साफ-सफाई कराने का निदेश दिया गया। श्रावणी मेला प्रारम्भ होने के पूर्व टेन्ट, पंडाल, बैरिकेडिंग, एम्बुलेंस, विद्युत,सीसीटीव, साउंड सिस्टम आदि कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। मौके पर मंदिर प्रभारी आशीष कुमार एवं अंचल अधिकारी जरमुंडी राज कुमार उपस्थित थे।

आगामी 4 जुलाई से दो पालियों में होगा गुरु गोष्ठी का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जामा सुधा कुमारी ने पत्र जारी कर आगामी चार जुलाई को दो पालियों में सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को गुरु गोष्ठी में शामिल होने को लेकर निर्देश जारी किया है।

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुधा कुमारी ने बताया है कि आगामी 4 जुलाई को समय 10:30 बजे से प्रथम पाली में आयोजित गोष्ठी में मध्य विद्यालय,उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं उच्च विधालय के प्रधानाध्यापक भाग लेंगे जबकि 12:30 बजे से द्वितीय पाली में आयोजित गोष्ठी में प्राथमिक विद्यालय,उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय एवं नव प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक भाग लेना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि सभी कोटी के मध्य विद्यालय,उत्क्रमित मध्य विद्यालय ,उत्क्रमित उच्च विद्यालय उच्च विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय एवं नव प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय सचिव जामा प्रखंड मुख्यालय के विकास भवन में आयोजित गुरु गोष्ठी में ससमय भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

गलत नियत से युवती को भगाने के मामले में एक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरैयाहाट थाना की पुलिस ने गलत नियत से युवती को भगाने के आरोप में गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीष हांसदा उर्फ डेविड हांसदा के रूप में हुई है। मामले में सरैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि सरैयाहाट थाना कांड संख्या 48/23 धारा 366 भादवि के प्राथमिकी अभियुक्त मनीष हांसदा उर्फ डेविड हांसदा को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि घटना को लेकर थाना क्षेत्र के ही एक गांव की महिला ने अपने 20 वर्षीय पुत्री को गलत नियत से भगाने का आरोप लगाते हुए मनीष हांसदा उर्फ डेविड हांसदा के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था।

जिसमें छापेमारी के दौरान प्राथमिक अभियुक्त मनीष हांसदा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

द्वितीय झारखंड राज्य ताइक्वांडो क्योरुगी पुमसे चैंपियनशिप 2023 का समापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर । देवघर के बंपास टाउन स्थित सुभद्रा बाटीका में दिनांक 27 एवं 28 को द्वितीय झारखंड राज्य ताइक्वांडो पुमसे एवं क्योरोगी ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जिसमें पूरे झारखंड से 469 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, गुमला, धनबाद, गिरिडीह, दुमका, देवघर गोड्डा, कोडरमा, हजारीबाग, ईस्ट सिंहभूम, वेस्ट सिंहभूम, साहिबगंज, पाकुड़, मुख्य रूप से शामिल थे

इस प्रतियोगिता का आयोजन देवघर ताइक्वांडो के द्वारा झारखंड ताइक्वांडो के बैनर तले किया गया था, जिसमें ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के ऑफिशियल द्वारा खेल को संचालित किया

गया इस प्रतियोगिता में सभी स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को आगामी माह राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झारखंड की ओर से प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया जाएगा

खेल को सफल आयोजन का रूप देने में झारखंड ताइक्वांडो के सचिव नीरज कुमार, कोषा अध्यक्ष बम बम देव, मनोज कुमार वर्णवाल व देवघर ताइक्वांडो के अनूप कुमार, दिलीप कुमार यादव, ओम प्रकाश यादव, सचिव रबीउल हुसैन, देवघर ताइक्वांडो के मीडिया प्रभारी रविकेश कुमार सिंह, झारखंड ताइक्वांडो के तकनीकी निदेशक अमित कुमार, बोकारो जिला सचिव संतोष शर्मा एवं ईस्ट सिंहभूम के सचिव संतोष कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा कल 11:00 बजे रात तक चैंपियनशिप चलता रहा । जिसमें उपविजेता का खिताब बोकारो को दिया गया वहीं पर विजेता का खिताब पर धनबाद ने कब्जा जमाया, वहीं तीसरे स्थान पर जमशेदपुर ने बाजी मारी साथ ही देवघर 10 स्वर्ण पदक के साथ चौथे स्थान को प्राप्त किया पांचवा स्थान पर गोड्डा जिला मुख्य रूप से रहे, जिन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया है उन्हें आगामी माह 7 से 9 जुलाई शिमोगा कर्नाटक में होने जा रहे हैं 40 वें राष्ट्रीय जूनियर क्योंरोगी पुमसे ताइक्वांडो चैंपियनशिप मैं भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा साथ ही 28 से 30 जुलाई को लखनऊ में होने वाले 6 वें कैडेट राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए चयन होंगे सभी खिलाड़ियों को झारखंड ताइक्वांडो की ओर से शुभकामनाएं दी गई ।

सांसद गीता कोड़ा के प्रयास से कोचड़ा में हुआ डीप बोरिंग

- **स्थानीय लोगों में हर्ष सांसद गीता कोड़ा के प्रति जताया आभार**

चाईबासा। हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम कोचड़ा में पेयजल की बहुत समस्या थी, ग्रामीणों को काफी दूर से उपयोग हेतु पानी लाना पड़ता था, इसी को लेकर ग्रामीणों ने सांसद गीता कोड़ा से डीप बोरिंग करवाने के लिए अनुरोध किया था, ग्रामीणों के अनुरोध पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सांसद गीता कोड़ा ने कोचड़ा गांव में सांसद निधि से स्वयं सांसद गीता कोड़ा की उपस्थिति में बोरिंग करवाया, ग्रामीणों ने गांव पहुंचने पर सांसद गीता कोड़ा का हर्षोल्लास से किया स्वागत, स्थानीय लोगों ने डीप बोरिंग के लिए सांसद गीता कोड़ा के प्रति आभार जताया है ।

मौके पर मंगल हेम्ब्रम , मालु कुमारी , विश्वनाथ गोप , कंचन प्रधान , होरो प्रधान , सुरामी प्रधान , राई कुमारी , पार्वती प्रधान , सबोती प्रधान , जयंती कुमारी , प्रमो प्रधान , अंजली कुमारी , प्रभा कुमारी , सबीता कुमारी , नीलिमा कुमारी , अंजली कुमारी , अनिता कुमारी , सुची कुमारी , शंकर प्रधान , सुरेंद्र प्रधान , अजीत कुम्हार , संतोष नापीत , अनंत कुम्हार , विरंची बेहरा , मुरली कुम्हार , किशोर बेहरा सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे ।

मणिपुर ना जाउंगा और ना जाने दूंगा : बब्लू झा

जमशेदपुर । मणिपुर करीब दो महीने से हिंसा में जल रहा है। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें हिंसा पर काबू पाने में नाकाम रही हैं। न सरकार नाम की कोई चीज़ बची, न ही क़ानून का शासन।शांति की अपील करने की बजाय प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। मोदी जी न तो मणिपुर जा रहे हैं ना जाने दे रहे हैं!

डॉ अजय कुमार ने मणिपुर से कहा की हजारों लोग राहत कैम्प में ज़िंदगी के जोखिमों से जूझने को मजबूर हैं। लाचारी और बेबसी इस कदर है कि शांति के सूरज की कोई किरण नज़र नहीं आती।मोदी जी मौन हैं, गृह मंत्री ने अपनी विफलताओं से पल्ला झाड़ लिया है। लगता है भाजपा सरकार के लिए जैसे मणिपुर देश के नक़्शे में ही नहीं।ऐसे में जब ''राहत के सिपाही'' बन राहुल गाँधी उनका दुःख-दर्द एवम घावों पर मरहम लगाने मणिपुर पहुँचे तो उन्हें शरणार्थियों के कैम्प तक जाने से उन्हें पुलिस द्वारा रोका जा रहा है। क्या राहुल गाँधी को मणिपुर के पीड़ितों से मिलने के लिए इसलिए रोका जा रहा है क्योंकि प्रधान सेवक मोदी को मणिपुर जाने का समय नहीं और राहुल जी के प्रेम के संदेश को भाजपाई पचा नहीं पाएँगे?

बब्लू झा ने कहा की आज राहुल गाँधी को नहीं, उन्हें रोक कर मोदी सरकार प्रजातंत्र को रोक रही है। ये मणिपुर के लोगों से भी विश्वासघात है और देश के लोकतंत्र से भी।

हूल दिवस के अवसर पर विवि में हुआ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय परिसर में हूल दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह के कुशल नेतृत्व में किया गया. प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के लगभग सभी सम्बद्ध एवं अंगीभूत महाविद्यालयों से प्रतिभागियों ने भाग लिया. विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में भिन्न-भिन्न स्थलों पर अलग-अलग निर्णायक मंडली द्वारा किया गया. सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय का मिनी कांफ्रेंस हॉल हुआ. वहीं एकल गीत, सामूहिक गीत और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 में किया गया और अकादमिक भवन में भाषण, क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. एकल नृत्य में निर्णायक के भूमिका में डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, कुमारी नेहा एवं डॉ. पूनम हेम्ब्रम थे. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर ने प्राप्त किया वहीं द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः एस पी महिला कॉलेज, दुमका एवं पी. जी. सेन्टर, दुमका रहे.सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में निर्णायक के भूमिका में डॉ. अनिल कुमार वर्मा एवं दीपक कुमार थे. जिसमें पी. जी. सेन्टर, दुमका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर एवं के. के. एम. कॉलेज पाकुड़ रहे.रंगोली प्रतियोगिता में कुल 10 महाविद्यालय से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में निर्णायक के भूमिका में डॉ. निर्मला त्रिपाठी एवं डॉ. स्नेहलता मुर्मू थी. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महिला कॉलेज, पाकुड़ के लता मुर्मू ने हासिल किया वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः पी. जी. सेन्टर, दुमका के बबिता हेम्ब्रम एवं रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर के सोनल कुमारी रही.एकल गीत में निर्णायक के भूमिका में डॉ. संजय कुमार सिंह, अंजुला मुर्मू एवं जयनेंद्र यादव थे. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एस. पी. कॉलेज, दुमका के अंजलि प्रिया एवं द्वितीय स्थान पर रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर की जया वहीं तृतीय स्थान पर एस. पी. महिला कॉलेज, दुमका के सुशीला हेम्ब्रम रही.

सामूहिक गीत प्रतियोगिता में निर्णायक के भूमिका में डॉ. जय कुमार शाह, निरंजन मंडल और स्वेता मरांडी थे. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एस. पी. महिला कॉलेज, दुमका रहे, वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर एवं के. के. एम कॉलेज, पाकुड़ रहे.भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक के भूमिका में डॉ. विनय कुमार सिन्हा, डॉ. अजय सिन्हा एवं डॉ, बिनोद मुर्मू थे इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सेंट जेवियर्स कॉलेज, दुमका के कृतिका टुडू रही वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः बी. एस. के. कॉलेज, बरहरवा के आदित्या राज एवं पी. जी. सेन्टर, दुमका के प्रवीन मुर्मू रहे.पंटिंग प्रतियोगिता में निर्णायक के भूमिका में डॉ. आर के एस चौधरी, डॉ. सुशील टुडू एवं डॉ. संतोष सिंह थे. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रमा देवी बाजला कॉलेज, देवघर के रिमझिम शर्मा रही वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान पर क्रमशः एस. पी. कॉलेज, दुमका के मनीषा टुडू एवं जामताड़ा कॉलेज के देवाशीष गोरे रहे.

क्विज प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. निलेश कुमार, डॉ. राजीव केरकेटा एवं डॉ. चम्पावती सोरेन के निर्णायक मंडली में संपन्न हुआ जिसमें प्रथम स्थान एस. पी. कॉलेज, दुमका के अनिमेश हेम्ब्रम वहीं द्वितीय स्थान के. के. एम. कॉलेज, पाकुड़ के सोहन टुडू एवं तृतीय स्थान मॉडल कॉलेज, दुमका के अशोक सोरेन रहे.

विश्वविद्यालय की ओर से आज के विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले सभी प्रतियोगिताओं को 30 जून को होने वाला हूल दिवस के मुख्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा. पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय सिन्हा, सीसीडीसी डॉ. विजय कुमार, वित्त पदाधिकारी राजीव कुमार, सूरज पाठक, पंकज कुमार, अजय झा आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया. कल होंगे मुख्य कार्यक्रम.30 जून को हूल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 के कांफ्रेंस हॉल में सुबह 10 बजे से मुख्य कार्यक्रम आयोजित की जाएगी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शयामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो. डॉ. तपन कुमार शांडिल्य होंगे. वही इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह करेंगे. इस कार्यक्रम का आरम्भ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित वीर सिदो-कान्हू के मूर्ति को माल्यार्पण करने के साथ होगा. साथ ही साथ कल इसी कार्यक्रम में 29 जून को हुए विश्वविद्यालय स्तरीय सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा.

संताल आन्दोलन 1855-1856 और प्रारंभिक इतिहास लेखन

डा.दिनेश नारायण वर्मा,इतिहासकार

झारखण्ड देखो डेस्कःअपना राज स्थापित करने के लक्ष्य से अनुप्राणित संताल हूल 1855-1856(संताल आन्दोलन) उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारत की पहली जनक्रांति और एशिया महादेश का सबसे बड़ा जन आन्दोलन था। इसमें जनजातियों के अलावा दलितों और पिछड़ों की बड़ी भागेदारी थी जिससे धरातलीय स्तर पर हूल जन क्रांति में परिवर्तित हो गया।इसलिए कलकता से प्रकाशित होने वाले विभिन्न समकालीन समाचार पत्रों ने इसे विद्रोह(रिवोल्ट) कहने पर आपत्ति की और इसे क्रांति -रिवोल्यूशन-- बताया। पर इसके प्रारम्भिक इतिहास लेखकों को इसकी व्यापकता.जुझारूपन, संगठनात्मक ताकत आदि की परख नहीं हुई और इसे स्थानीय बलवा,विद्रोह,उपद्रव आदि बता कर इसकी उपेक्षा कर दी। इसकी मूल वजह यह थी कि कम्पनी शासन के अंग्रेज अधिकारियों और लेखकों का जनजातियों के प्रति नजरिया बड़ा ही आपत्तिजनक, अविश्वसनीय और आधारहीन था(द कलकत्ता रिव्यू 1856 और 1860)इसलिए जनजातियों द्वारा उनकी सत्ता को सशस्त्र चुनौती दिये जाने की उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी। संतालों की अगुवाई में जब अन्य जनजातियों,दलितों और पिछड़ों द्वारा उनके खिलाफ सशस्त्र संघर्ष का शंखनाद किये जाने की सूचना मिली तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ क्योंकि हूल के ठीक एक महीने पूर्व दामिन-इ-कोह के अधीक्षक जेम्स पोन्टेट ने सरकार और बड़े अधिकारियो को प्रेषित अपनी रिपोर्ट मे किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी और जन असंतोष की कोई चर्चा भी नहीं की थी। हालांकि कार्ल मार्क्स ,चार्ल्स डिकेन्स आदि प्रख्यात विद्वानों ने इस पर बड़ी टिप्पणी की पर कम्पनी बहादुर के तत्कालीन मुखिया गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी (1848-1856) ने इसे स्थानीय बलवा कह कर इस जन क्रांति को कोई महत्व नहीं दिया। 30 जून 1855 को भगनाडीह (बरहेट,साहिबगंज ,झारखंड) में तीस हजार संतालों (स्टेफन फ्युक्स 1965) की उपस्थिति में महानायक सिदो और कान्हू को अपना सूवा घोषित करने और 7 जुलाई 1855 को दिग्घी के दारोगा महेशलाल दत्त और उनके सिपाहियों की हत्या की सूचना ने कम्पनी शासन के छोटे-बड़े सभी अधिकारियों को हतप्रभ कर दिया। आगामी लगभग सात महीनों तक संताल महानायक सिदो और कान्हू,उनके दो अन्य अनुज चांद, भैरव और अन्य कामरेडों ने बड़ी बहादुरी और शौर्य के साथ कम्पनी शासन के असैनिक और सैनिक अधिकारियों और इसकी सेना से जबरदस्त संघर्ष किया और हथियार नहीं डाले। मेजर जर्विस ने कहा था कि संताल आत्मसमर्पण करना नहीं जानते थे। हालांकि इस जन क्रांति का सत्ता,सेना,शस्त्र आदि के बल पर क्रूरतापूर्वक दमन कर दिया गया पर इसने इस पूरी घटना की जांच के लिए अंग्रेज अंधिकारियों को विवश कर दिया। बंगाल प्रेसिडेंसी में नदिया के कमिश्नर ए.सी. बिडवेल को इसकी जांच के लिए अधिकृत किया गया।कमिश्नर बिडवेल ने बड़ी ईमानदारीपूर्वक इसकी जांच की और अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी।(10 दिसम्बर1855, पत्रांक14 फरवरी 1856 नं.57,बंगाल जुडिसियल कनसलटेशन्स,बंगाल स्टेट आरकाइब्स,कोलकाता)। कमिश्नर बिडवेल ने न केवल महाजनों और जमींदारों द्वारा संतालों का शोषण और दमन बल्कि स्थानीय स्तर से लेकर उच्च स्तर तक के अंग्रेज अधिकारियों की उपेक्षा, अकर्मण्यता और प्रशासनिक असफलता पर जबरदस्त टिप्पणी की। कलकत्ता से प्रकाशित होने वाले अनेक समाचार पत्रों में कमिश्नर बिडवेल को जांच का जिम्मा दिये जाने पर संतोष व्यक्त किया और उनकी कर्मठता की ही नहीं बल्कि ईमानदारी की भी प्रशंसा की। जिस प्रकार हूल की उद्घोषणा होने के पूर्व संतालों द्वारा प्रेषित विभिन्न आवेदनों पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई थी उसी प्रकार कमिश्नर बिडवेल की रिपोर्ट को भी ठंढे वस्ते में डाल दिया गया और कोई कार्रवाई नहीं की गई। हूल के बाद प्रकाशित इ.जी.मान(1867),डब्ल्यू.डब्ल्यू.हंटर (1868,1877), सी.ए.बकलैंड (1901),फ्रांसिस ब्रोडले ब्रोडले-बर्ट (1905,1910),मैकफर्सन(1909), एल.एस.एस.ओ'मैली (1910, 1910,1925),राबर्ट कार्सटेयर्स (1912)आदि की रचनाओं में बिडवेल की रिपोर्ट का उल्लेख तक नहीं है।उन्होंने संताल हूल के किसी भी पहलू की सही विवेचना नहीं की जिसकी शुरुआत इ.जी.मान की साम्राज्यवादी विवेचना से हुई। मान ने अपनी रचना -संथालिया एंड द संथाल्स (1867)में महाजनों, पुलिस आदि का अत्याचर, संतालों की फिजूलखर्ची से बढ़ती उनकी दुर्दशा,न्यायलयों में संतालों के लिए न्याय पाना असंभव आदि का उल्लेख किया पर अंग्रेज अधिकारियों की लापरवाही और अकर्मण्यता पर कोई टिप्पणी नहीं की।कमिश्नर बिडवेल की रिपोर्ट की ही नहीं बल्कि समकालीन कलकत्ता रिव्यू (1856, 1860) में प्रकाशित सम्बन्धित ऐतिहासिक तथ्यों की भी उन्होंने उपेक्षा कर दी।मान की विवेचना की एक अन्य बड़ी त्रुटि यह है कि उन्होंने महाजनों और जमींदारों के शोषण,अत्याचार,उत्पीड़न,यूरोपीय रेल अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा संताल युवतियों का अपहरण,बलात्कार और हत्या आदि का उल्लेख तक नहीं किया।संताल हूल के नायकों को ठाकुर का दर्शन को भी उन्होंने अपनी विवेचना में शामिल नहीं कर मान ने हूल के सामाजिक और धार्मिक पृष्ठभूमि की विवेचना नहीं की।मान का यह कहना बेहद आपत्तिजनक है कि संताल हमेशा गूलाम रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि संतालों के सम्बन्ध उन्हें पूरी जानकारी नहीं थी। डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर (द एन्नल्स आफ रूरल बंगाल,1868;ए स्टेटिशटिकल एकाउन्ट आफ बंगाल,वाल्यूम 14,1877;ए ब्रिफ हिस्ट्री आफ द इंडियन पियूपिल्स,1895) ने संताल हूल की विस्तृत विवेचना की और स्पष्ट लिखा कि संताल सरकार के खिलाफ नहीं थे,उनका संघर्ष महाजनों और जमींदारों के खिलाफ था जो उनकी दुर्दशा के लिए उत्तरदायी थे। साम्राज्यवादी दृष्टिकोण से पीड़ित हंटर नें उन महाराजाओं /जमींदारों की प्रशंसा की जिन्होंने संताल हूल के दमन में कम्पनी बहादुर की मदद की थी और उन्हें देशभक्त बताया था। उन्होंने संतालों के खिलाफ की गयी सख्त कार्रवाई को जायज बताया पर ब्रिटिश फौज द्वारा किये गये अत्याचारों और अमानवीय कार्यों की उन्होंने आलोचना नहीं की। हंटर का यह कहना भी गलत था कि दारोगा और सिपाहियों की हत्या के बाद संतालों का हिंसक स्वभाव लौट आया क्योंकि संतालों के हिंसक होने का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है।मान और हंटर के अनुरूप ही चार्ल्स एडवर्ड बकलैंड की विवेचना(बंगाल अन्डर लेफ्टिनेण्ट गवर्नरस, 1901) भी साम्राज्यवादी नजरिये से ग्रसित है क्योंकि बकलैंड ने भी यह प्रामाणित करने का भरसक प्रयास किया कि संतालों का हूल अंग्रेजों या ब्रिटिश सराकार के खिलाफ नहीं था।उनके अनुसार संतालों का हूल महाजनों,जमींदारों और धनी बंगालियों के खिलाफ था। पर ब्रोडले-बर्ट(1905, 1910) ने इतिहास लेखन में साम्प्रदायिक तत्वों का समावेश किया और अपनी विवेचना में लिखा कि संतालों ने हिन्दू महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत की,कम्पनी सरकार के प्रति उनमें रोष नहीं था। सरकार के प्रति उनमें कोई दुर्भावना नहीं थी। ब्रोडले-बर्ट ने अपनी रचनाओं--- द स्टोरी आफ एन इंडियन अपलैंड(1905) और टबैल्थ मैन इन बंगाल इन द नाइनटिंथ सेन्चुरी-(1910)-- में साम्राज्यवादी नजरिये का प्रतिनिधित्व किया और उन ऐतिहासिक तथ्यों की जानबूझकर उपेक्षा की जिसकी विस्तृत विवेचना ने कमिश्नर ए.सी. बिडवेल ने अपनी रिपोर्ट में किया था। उनकी विवेचना में आन्तरिक विरोधाभाष भी स्पष्ट है क्योंकि उन्होंने अपनी विवेचना में कभी महाजनों और जमींदारों और कभी पुलिस,महाजन, जमींदार आदि के उत्पीड़न और अत्याचार पर विशेष जोर दिया। ब्रोडले-बर्ट ने डब्ल्यू.डब्ल्यू.हंटर (1868, 1877) का अनुसरण करते हुए बर्दवान और मुर्शिदाबाद के महाराजाओं/नवाबों की तारीफ की जिन्होनें संताल हूल का दमन करने में अंग्रेजों की मदद की थी। फूट डालो और राज करो की नीति का अनुसरण करते हुए ऐसे महाराजाओं/नवाबों को अंग्रेजों ने बड़ी बड़ी उपाधियों से सम्मानित किया और उन्हें अपना परम हितैषी बतया।इस सन्दर्भ में ब्रोडले-बर्ट की रचना --टबैल्थ मैन इन बंगाल इन द नाइनटिंथसेन्चुरी- (1910)--विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन लेखकों ने इस ऐतिहासिक घटना को रिवोल्ट,अपराजिंग, इनसरेकशन आदि कहा पर किसी ने किसी ने इसे जन क्रांति कहने की हिमाकत नहीं की। इसी तरह का दृष्टिकोण सरकारी लेखक मैकफर्सन (1909) और एल.एस.एस.ओ'मैली (1910,1910,1925) और राबर्ट कार्सटेयर्स (1912) की रचनाओं में वर्णित है।सेटलमेंट आफिसर मैकफर्सन (फाइनल रिपोर्ट आन द सर्वे एंड सेटलमेंट आपरेशन्स इन द डिस्ट्रिक्ट आफ संथाल परगनाज 1898-1907,1909)ने दामिन-इ-कोह के अधीक्षक जेम्स पोन्टेट की वार्षिक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए लिखा कि पोन्टेट रेवेन्यू संग्रह के मामले में पूरी तरह से संतुष्ट थे पर वे यह नहीं समझ पाये कि संतालों की शिकायतों का परिणाम खुला विद्रोह होगा। मैकफर्सन नें कम्पनी सरकार द्वारा हूल के दमन में बड़े पैमाने पर संलग्न और सक्रिय सैनिक कार्रवाइयों की विवेचना की पर उन्होंने निचले स्तर से उच्च स्तर तक प्रशासनिक अधिकारियों की अकर्मणयता और शीघ्र कार्रवाई नहीं करने का उल्लेख तक नहीं किया। उन्होंने हूल की घटनाओं की विवेचना की पर इसके लिए उत्तरदायी अंग्रेज अधिकारियों की प्रशासनिक असफलता की विवेचना नहीं की। हालांकि ओ'मैली ने अपनी रचनाओं में संताल हूल की व्यापक विवेचना की पर उनकी विवेचना भी साम्राज्यवादी दृष्टिकोण से प्रभावित है। महाजनो,जमींदारों और पुलिस आदि द्वारा संतालों का शोषण और दमन आदि ओ'मैली की विवेचना के केन्द्र बिन्दु हैं और उन्होंने संतालों की शिकायतों की जांच का उल्लेख किया और इतना ही लिखा कि संतालों की शिकायतें प्रामाणिक थीं। बंगाल डिस्ट्रिक्ट गजेटिर्यस--वीरभूम (1910) और बंगाल डिस्ट्रिक्ट गजेटिर्यस--संताल परगना (1910) के बाद प्रकाशित अपनी प्रख्यात रचना --हिस्ट्री आफ बंगाल,बिहार एंड उड़ीसा अन्डर ब्रिटिश रूल (1925) में भी ओ'मैली ने ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों की विफलता पर कोई कमेंट नहीं किया और बहुत हद तक अपने पूर्ववर्ती साम्राज्यवादी लेखकों के दृष्टिकोण का ही समर्थन किया। संतालों की वीरता,अदम्य साहस और शौर्य,सैनिक कार्रवाई,हूल का दमन और इसके बाद की घटनाओं का उन्होंने उल्लेख किया पर अन्य साम्राज्यवादी लेखकों की तरह हूल को विद्रोह (रिवोल्ट,इनसरेकशन) ही बताया। इस संदर्भ में यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि संताल हूल पर अद्यतन लेखकों जान हुल्टन(1949),डैनिएल जे.राइक्राफ्ट (2006),संजय बहादुर (2013) और पीटर स्टेनली(2022) की रचनाओं में भी संताल हूल को विद्रोह (रेबेवियन/इन्सरेक्शन) बताया गया। ओ'मैली ने नन-रेगुलेशन की व्यवस्थाओं की प्रंशंसा की पर उनका यह कहना कि डिपुटी कमिश्नर एशले इडन और कमिश्नर जार्ज यूल के अधीन यह व्यवस्था इतनी सफलतापूर्वक कार्यान्वित हुई कि संताल 1857 राष्ट्रीय समर में शामिल नहीं हुए,गलत और आधारहीन है।आधुनिक शोध कार्यों ने यह प्रामाणित कर दिया है कि 1857 के राष्ट्रीय समर में अन्य जनजातियों की तरह संतालों का योगदान कम महत्वपूर्ण नहीं था।(जरनल आफ हिस्टोरिकल रिसर्च,वाल्यूम 49 (नं 1-2)-50 (1-2)2007--2008,यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री,रांची यूनिवर्सिटी,रांची,2008;1857 इन बिहार एंड झारखंड,2009;1857 और झारखंड की जनजातियां,2019)। अपनी संक्षिप्त विवेचना में राबर्ट कार्सटेयर्स (द लिटिल वर्ल्ड आफ एन इंडियन डिस्ट्रिक्ट आफिसर,1912) ने संतालों के देशान्तर गमन की जानकारी दी और संतालों के विभिन्न क्षेत्रों में प्रसार और स्थापित होने का उल्लेख किया ।पर हूल के सम्बन्ध मे लिखते हुए उन्होंने इतना ही लिखा कि महाजन और पुलिस के (शोषण और अत्याचार) चलते संतालों ने विद्रोह किया।यह उल्लेखनीय है कि राबर्ट कार्सटेयर्स इंडियन सिविल सर्विस के पदाधिकारी थे और संताल परगना के डिपुटी कमिश्नर रह चुके थे।फिर भी उन्होंने अपने पूर्ववर्ती साम्राज्यवादी लेखकों की भांति हूल सम्बन्धित ऐतिहासिक तथ्यों की विवेचना नहीं की।बाद की कतिपय घटनाओं की उन्होंने जानकारी दी पर सम्बन्धित पदाधिकारियों की प्रशासनिक विफलता आदि का उन्होंने उल्लेख तक नहीं किया। यह उल्लेखनीय है कि साम्राज्यवादी लेखक ब्रिटिश सरकार के अधीन अधिकारी थे और उनमें सरकारी नजरिये की खिलाफत करने की हिम्मत नहीं थी।वे सरकारी आदेशों का पालन और इसकी प्रंशंसा करने के लिए विवश थे और उन्होंने ऐसा ही किया।उन्होंने संताल हूल के जनसांख्यकीय संगठन पर उचित टीका-टिप्पणी करने की हिम्मत नहीं दिखाई जिसकी जानकारी बंगाल सरकार के सेक्रेटरी को लिखे पत्र में दी थी (28 जुलाई 1855; कलकत्ता रिव्यू,1856)। ये साम्राज्यवादी लेखक साम्राज्यवादी इतिहास लेखन में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले इसके पुरोधा एच.एच.विल्सन,मैक्स मूलर,जेम्स स्टुअर्ट मिल,जार्ज विलहेंल्म फ्रेड्रिक हिगेल,विन्सेन्ट आर्थर स्मिथ आदि विद्वानों की भारत की सभ्यता,संस्कृति और इतिहास के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित विचारधारा से अभिप्रेरित थे। उनकी सोच यह थी कि संताल हूल के लिए कोई अधिकारी नहीं बल्कि व्यवस्था उत्तरदायी थी,पर कमिश्नर बिडवेल की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि संताल हूल के लिए सभी अधिकारी उत्तरदायी थे जिन्होंने समय पर उचित कार्रवाई नहीं की।पुलिस ,दारोगा,अमला,रेवन्यू अधिकारी,कर्मचारियों आदि की आपसी और महाजनों,जमींदारों और धनी व्यापारियों से भी उनकी मिलीभगत थी और वे सम्मिलित रूप से संतालों का शोषण किया करते थे। समकालीन समाचार पत्रों में इसकी व्यापक विवेचना है। हालांकि साम्राज्यवादी लेखकों की हूल से जुड़ी सभी विवेचनाओं को पूरी तरह से खारिज किया जाना उचित नहीं है और इसकी ऐतिहासिक महत्ता को अस्वीकार नहीं किया जा सकता,इसके बावजूद उनकी हूल की विवेचना को प्रामाणिक और वैज्ञानिक इतिहास नहीं माना जा सकता। उनके द्वारा प्रामाणिक ऐतिहासिक तथ्यों की जानबूझकर की गई उपेक्षा से उनका पूर्वाग्रह से ग्रसित होना प्रामाणित और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हूल के नायकों द्वारा की गई घोषणाओं, आ''ान,विभिन्न उदघोषों आदि से यह प्रमाणित है कि उनका हूल विदेशी शासन के खिलाफ स्पष्ट रूप से मुक्ति संघर्ष था क्योंकि वे विदेशी सत्ता से मुक्त होना चाहते थे और अपना राज स्थापित करना चाहते थे। प्रख्यात संताली लेखक सी.एच. कुमार(1937) के अनुसार दारोगा और महाजन की हत्या के बाद संतालों ने एक स्वर में घोषणा की---अब दारोगा नहीं,हाकिम नहीं,सरकार नहीं,अब हम संतालों का राज आ गया।

● संताल हूल (संताल आन्दोलन) 1855-1856 की 168 वीं वर्षगांठ पर विशेष

संताल हूल 1855-1856 (संताल विद्रोह/संताल आन्दोलन) की गवेषणात्मक विवेचना करने वाले झारखंड प्रदेश के लेखकों में शामिल इतिहासकार डा.दिनेश नारायण वर्मा ने अपने अद्यतन आलेख में संताल हूल की प्रारंभिक इतिहास लेखन की आन्तरिक विरोधाभाषों और विविधताओं की समीक्षात्मक विवेचना की है और यह सपष्ट किया है कि साम्राज्यवादी लेखकों ने जान बूझकर अनेक प्रामाणित ऐतिहासिक तथ्यों की उपेक्षा की। इसलिए साम्राज्यवादी लेखकों का लेखन प्रामाणिक और वैज्ञानिक इतिहास नहीं है।उनके अनुसार साम्राज्यवादी लेखकों ने हूल को विद्रोह,उपद्रव या स्थानीय बलवा बताया और इसकी ऐतिहासिक महत्ता को स्वीकार नहीं किया। पर इतिहासकार वर्मा ने पहली बार संताल हूल को संतालों की अगुवाई में जन क्रांति बताया जिसका एकमात्र लक्ष्य विदेशी शासन की जगह अपना राज स्थापित करना था। उनके अनुसार साम्राज्यवादी लेखकों ने कमिश्नर ए.सी. बिडवेल की रिपोर्ट (10 दिसम्बर1855) पर ही नहीं बल्कि समकालीन अनेक समाचार पत्रों में हूल से सम्बन्धित प्रकाशित ऐतिहासिक तथ्यों पर भी ध्यान नहीं दिया जिसमें हूल को विद्रोह कहे जान पर आपत्ति की गई और इसे रिवोल्यूशन (क्रांति) कहा गया। इसलिए अपनी शोध आधृत रचनाओं में डा.वर्मा ने संताल हूल को जन क्रांति (पियूपिल्स मुवमेंट) के रूप में वर्णित किया और इसकी ऐतिहासिक महत्ता को विस्तृत रूप से रेखांकित किया। फिलहाल इतिहासकार डा.वर्मा संताल हूल पर अपनी अद्यतन रचना--हूल फोर सेल्फ रूल--द संताल मुवमेंट आफ 1855--1856--द फर्स्ट पियूपिल्स मुवमेंट अगेंस्ट कोलोनियल रेजीम इन इंडिया-के लेखन कार्य में सक्रिय रूप से व्यस्त हैं।

» डा. सिकन्दर कुमार, संपादक

(इतिहासकार डा डी एन.वर्मा, स्टडी एंड रिसर्च सेंटर,चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली, रामपुरहाट- 731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल के संस्थापक निदेशक हैं।)

रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड में आठ बसों में लगी आग

रांची। कांटाटोली खादगढ़ा बस स्टैंड में पहले पांच बसों में आग लगी फिर एक घंटे की अंतराल में तीन और बसों में भी आग लग गई। आग इतनी भीषण थी की दूर-दूर तक लपटें दिखाई देने लगीं।

पहली घटना गुरुवार दोपहर एक बजे की है। पांच बसों में आग लग गई, जिस पर काबू पा लिया गया। इसके लगभग एक घंटे के बाद फिर तीन बसों में आग लग गयी। निशांत ट्रेवलर्स, मां भवानी ट्रेवल्स, राधेश्याम और एलडी मोटर्स कंपनी की बसें आग की चपेट में आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पहले दो बसों में आग लगी। फिर यहां से दूर खड़ी दो बसों में आग लगी। यह किसी साजिश की तरफ इशारा कर रहा है। खादगड़ा बस स्टैंड के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। आग पर काबू पाने के बाद कुछ घंटे में फिर तीन बसों में आग लग गयी। आग की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गयी। मौके पर दो गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। एक घंटे की लंबी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन एक साथ आठ गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा है। गाड़ी के ड्राइवर और दूसरे कर्मचारी भी हैरान हैं कि आग ने इतना भयावह रूप कैसे ले लिया। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल सका है। इससे पहले भी इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं।

झारखंड सरकार ने अखबारों पर नजर रखने के लिए बनाया मॉनिटरिंग पॉर्टल

रांची। झारखंड सरकार ने प्रिंट मीडिया में छपी खबरों पर नजर रखने के लिए ह्यप्रिंट मीडिया मॉनीटरिंग पोर्टलह्न बनाया है। सरकार से जुड़ी कितनी खबरें छपी हैं, कितनी खबरें सरकार के खिलाफ हैं, इन सबकी मॉनीटरिंग पोर्टल के जरिये की जायेगी। अधिकारियों को खबरों की मॉनीटरिंग और उन्हें पोर्टल के डैशबोर्ड पर अंकित करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव सह मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने राज्य के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, सभी उपायुक्त को पत्र जारी कर समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रामक खबरों (फेक न्यूज) पर खंडन भेजने का निर्देश दिया है।

उन्होंने लिखा है कि विभिन्न विभागों से संबंधित फेक न्यूज समाचार पत्रों में प्रकाशित किये जाने के मामले प्रकाश में आये हैं। इससे लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है एवं सरकार की छवि भी धूमिल होती है। इस प्रकार की खबरों का खंडन किये जाने तथा प्रकाशित खबर या रिपोर्ट पर वस्तुस्थिति स्पष्ट किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने अनुरोध किया है कि समाचार पत्रों में भ्रामक खबर प्रकाशित होने की स्थिति में वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए, इसकी सूचना निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड को उपलब्ध करायी जाये।

> सरकार से जुड़ी कितनी खबरें छपी हैं, कितनी खबरें सरकार के खिलाफ हैं, इन सबकी मॉनीटरिंग पोर्टल के जरिये की जायेगी। अधिकारियों को खबरों की मॉनीटरिंग और उन्हें पोर्टल के डैशबोर्ड पर अंकित करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

विधायक सरयू राय के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

पश्चिमी सिंहभूम। प्रोत्साहन राशि मानहानि मामले में पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित नहीं रहने के कारण कोर्ट ने सरयू राय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

जानकारी के मुताबिक, मंत्री बन्ना गुप्ता ने चाईबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट में सरयू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि विधायक सरयू राय ने मंत्री बन्ना गुप्ता के खिलाफ राजनीतिक षडयंत्र के तहत सोशल मीडिया एवं विभिन्न अखबारों के जरिये गलत जानकारी और झूठे तथ्य प्रसारित किये हैं।

इसमें कहा गया कि मंत्री बन्ना गुप्ता ने स्वयं एवं अपने लोगों को गलत तरीके से कोरोना प्रोत्साहन राशि दिलाया है, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने भी स्पष्ट किया था कि स्वास्थ्य सचिव समेत सभी लोगों को नियम के अनुसार ही प्रोत्साहन राशि वितरित करने की अनुशंसा की गई थी।

इसमें बाद में मंत्री बन्ना गुप्ता ने स्वयं पहल करते हुए प्रोत्साहन राशि के निर्णय को अस्वीकार करते हुए वापस करने का निर्देश विभाग को दिया था।

इसके बाद मंत्री बन्ना गुप्ता ने सरयू राय को कानूनी नोटिस भी भेजा था। इसका सरयू राय ने कोई जवाब नहीं दिया। इसी क्रम में कोर्ट में उपस्थित नहीं होने के कारण उनके खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

यूरिया सब्सिडी योजना जारी रखने पर दीपक प्रकाश केंद्र सरकार को दी बधाई

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने यूरिया सब्सिडी योजना को जारी रखने के लिए केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पैकेज में तीन वर्षों (2022-23 से 2024-25) के लिए यूरिया सब्सिडी को लेकर लगभग 3.70 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। यह पैकेज हाल ही में अनुमोदित 2023-24 के खरीफ मौसम के लिए 38,000 करोड़ रुपये की पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त है।

प्रकाश ने कहा कि मोदी सरकार के इस निर्णय से किसानों को यूरिया की खरीद के लिए अतिरिक्त खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी और इससे उनकी इनपुट लागत को कम करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में नीम कोटिंग शुल्क और लागू करों को छोड़कर यूरिया की एमआरपी 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम यूरिया की बोरी है जबकि बैग की वास्तविक कीमत लगभग 2200 रुपये है। यह योजना पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा बजटीय सहायता के माध्यम से वित्तपोषित है। यूरिया सब्सिडी योजना के जारी रहने से जारी रहने से यूरिया का स्वदेशी उत्पादन भी अधिकतम होगा।उन्होंने कहा कि लगातार बदलती भू-राजनीतिक स्थिति और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर उर्वरक की कीमतें कई गुना बढ़ रही हैं लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार ने उर्वरक सब्सिडी बढ़ाकर अपने किसानों को उर्वरक की अधिक कीमतों से बचाया है। हमारे किसानों की सुरक्षा के अपने प्रयास में, भारत सरकार ने उर्वरक सब्सिडी को 2014-15 में 73,067 करोड़ रुपये से बढ़ा कर 2022-23 में 2,54,799 करोड़ रुपये कर दिया है।

रांची डीटीओ ने चलाया वाहन जांच अभियान, एक लाख 26 हजार वसूला जुमार्ना

रांची। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) प्रवीण प्रकाश ने गुरुवार रात खेलगांव थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान टैक्स डिफॉल्टर्स, ओवरलोडेड, बिना परमिट, प्रदूषण प्रमाण, बिना लाइसेंस, बिना हेलमेट, सवारी गाड़ी में क्षमता से अधिक यात्री बैठाने एवं वाहन संबंधी अन्य कागजातों की जांच डीटीओ ने की।

वाहन जांच के दौरान कुल 137 वाहनों की जांच की गई। बारी-बारी से सभी वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई।

इसमें 19 वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए। कुल 19 वाहनों (मालवाहक वाहनों, हाइवा, सवारी वाहन, दो पहिया वाहन) से एक लाख 26 हजार 750 रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

डीटीओ ने कहा कि वाहनों की जांच लगातार जारी रहेगी। उन्होंने सभी वाहन चालकों से वाहन संबंधित सभी कागजात अपडेट रखने को कहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि वाहनों में लदान क्षमता के अनुसार ही परिवहन करें। प्रकाश ने कहा कि सवारी वाहनों में भी क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने पर कार्रवाई की जाएगी।

झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन ने गुरुवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया है कि झारखंड सरकार से परामर्श लेकर बांग्ला भाषा निवासी स्थानों को चिन्हित कर अविलम्ब जनजातीय भाषाओं के साथ बांग्ला भाषा का भी प्रयोग अनिवार्य किया जाय।

पत्र के जरिए कहा गया है कि झारखंड के सभी रेल स्टेशन एवं हॉल्ट में नाम पट्टिकाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, बांग्ला एवं कई विशेष स्थानों पर उड़िया शब्दों में स्थान का नाम लिखा होता था। संथाल भाषा के मान्यता के पश्चात संथाली भाषा में भी नामकरण किया जाने लगा। झारखंड के संथाल परगना, मानभूम सिंहभूम, धालभूम एवं पंचपरगना क्षेत्रों में बंग्लाभाषी लोगों की एक विशाल आबादी की संख्या है।

पत्र में सोरेन ने लिखा है कि राज्य के पाकुड़, बडहवा, जामताड़ा, मिहिजाम, मधुपुर, जसीडीह, मैथन, कुमारधुबी, चिरकुण्डा, कालुबथान, धनबाद, गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड मूरी, रांची, हटिया, चाकुलिया, गालूडीह, राखा माईन्स, टाटानगर, चाण्डील, कान्ड्रा, चक्रधरपुर, चाईबासा, बरकाकाना, रांची रोड, जैसे कई पुराने रेलवे स्टेशनों के नाम पट्टिकाओं में बांग्ला भाषा उल्लेखित रहता था।

उन्होंने लिखा है कि इस क्षेत्र से बांग्ला भाषा में लिखा नाम को मिटाया गया है, जो अत्यन्त अव्यवहारिक एवं दुर्भाग्यजनक है। इस इलाके के बांग्लाभाषी लोगों की नागरिकता मूलरूप से स्थायी है और वह झारखंड के मूलवासी हैं। झारखंड के मूलवासियों की जनभावना यह है कि वहां के निवासियों के स्थानों के नाम उस क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों के नाम पट्टिकाओं पर उल्लेखित हों।

मस्जिदों में पढ़ी गई विशेष नमाज, मांगी खुशहाली और अमन-चौन की दुआ

खूंटी। जिला मुख्यालय खूंटी सहित जिले के सभी प्रखंड और ग्रामीण इलाकों में त्याग, बलिदान और प्रेम का त्यौहार ईद उल अजहा गुरुवार को आपसी भाईचारा के साथ सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय में कर्रा रोड स्थित जामा मस्जिद, जन्नतनगर स्थित मदीना मस्जिद और पाशा कॉलोनी स्थित मस्जिद ए जोहरा में सुबह ईद उल अजहा की विशेष नमाज अदा की गई। इस दौरान नमाजियों ने खूंटी सहित देश में खुशहाली और अमन-चैन की दुआ मांगी।

नमाज के बाद लोग कब्रिस्तान गए जहां अपने पुरखों और सगे संबंधियों की कब्र पर फातिहा पढ़ा गया। ज्ञात हो कि मुस्लिम उमुदोय को दूसरा सबसे बड़ा त्यौहार है। इस त्यौहार को ईद उल अजहा या कुबार्नी का त्यौहार भी कहा जाता है। ईद उल अजहा का अर्थ त्याग वाली ईद है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह और मस्जिदों में जमात के साथ विशेष नमाज अदा करते हैं। इस्लाम धर्म की मान्यता के अनुसार पैगंबर हजरत इब्राहिम अलैह इस्सलाम ने कुबार्नी देने की प्रथा की शुरूआत की थी। तभी से इस परंपरा को निभाया जा रहा है। यह पर्व मुस्लिमों के लिए बहुत खास है। इस पर्व से जुड़ी कई मान्यताएं भी हैं। इस्लाम के अनुसार हजरत इब्राहिम अलैह इस्सलाम अल्लाह के पैगंबर थे। ऐसा कहा जाता है कि एक बार अल्लाह ने हजरत इब्राहिम अलैह इस्सलाम से अपने सबसे प्यारी चीज को कुर्बान करने का हुक्म दिया। पैगंबर साहब को अपना एकलौता बेटा इस्माइल सबसे अधिक प्रिय था। खुदा के हुक्म के अनुसार उन्होंने अपने प्रिय इस्माइल को कुर्बान करने का मन बना लिया।इस बात से इस्माइल भी खुश थे कि वह अल्लाह की राह पर कुर्बान होगा। जब हजरत इब्राहिम अलैह इस्सलाम अपने बेटे इस्माइल अलैह इस्सलाम को कुबार्नी देने लगे, तो उसकी जगह एक दुंबा कुर्बान हो गया। इस तरह इस्माइल बच गए तभी से हर साल पैगंबर साहब द्वारा दी गई कुबार्नी की याद में बकरीद मनाई जाती है। इस्लाम के अनुसार जिस व्यक्ति के पास पैसा न हो या उस पर किसी तरह का कोई कर्ज हो तो वह कुबार्नी नहीं दे सकता। कुबार्नी देनेवाले पर किसी तरह का कोई कर्ज नहीं होना चाहिए

रांची में शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

रांची। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर गुरुवार की सुबह रांची और आसपास क्षेत्रों के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में बकरीद की नमाज अदा की गई। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। कुछ जगहों पर मस्जिद के बाहर भी नमाज अदा की गई। इस दौरान रांची पुलिस भी बेहद सतर्क है। संवेदनशील स्थानों पर सुबह पांच बजे से ही पुलिस बल मुस्तैद है।

रांची में ईद उल अजहा को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। हालांकि, तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से थोड़ी खलल जरूर पड़ी। बारिश की वजह से ही रांची के हरमू रोड ईदगाह में कई वर्षों के बाद नमाज अदा नहीं की गई। अंजुमन इस्लामिया ने यह तय किया कि ईदगाह में इस बार नमाज अदा नहीं की जाएगी। भारी बारिश की वजह से यह फैसला लिया गया। रांची के मेन रोड, डोरंडा, हिंदपीढ़ी, बरियातू, कांके, पिठोरिया, अरगोड़ा सहित तमाम मस्जिदों में हल्की बूंदाबांदी के बीच ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई।

पुलिस अलर्ट, सभी थाना प्रभारी रहे मौजूद

बकरीद को देखते हुए राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ ड्रोन की टीम को भी तैनात किया गया था। सभी थाना प्रभारी नमाज के वक्त अपने अपने इलाकों में भ्रमणशील रहे। रांची में दो हजार पुलिस बलों की तैनाती की गई है। खासकर वैसे ही इलाके जहां बकरीद के समय पूर्व में सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ा था, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर पुलिस के द्वारा रखी जा रही है।

ट्रिपल टेस्ट पर हेमंत सरकार की मंशा साफ नहीं : दीपक प्रकाश

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने गुरुवार को ट्रिपल टेस्ट को लेकर राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अभी तक पूर्ण गठन नही हुआ। आयोग अध्यक्ष विहीन है और दूसरी ओर राज्य सरकार कैबिनेट की बैठक में पिछड़ा वर्ग आयोग से ट्रिपल टेस्ट कराने का निर्णय लेती है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार पहले नामांकन फिर बाद में स्कूल खोलने पर विचार करती है। ट्रिपल टेस्ट को लेकर राज्य सरकार की मंशा साफ नहीं है। प्रकाश ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा साफ रहती तो पंचायत चुनाव में पिछड़ों के हक को सरकार नहीं मारती। पंचायतों में भी पिछड़े समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिलता लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब नगर निकाय चुनाव में भी राज्य सरकार पिछड़ा समाज को धोखा देने की तैयारी में है।

उन्होंने कहा कि आखिर यह सरकार अध्यक्ष विहीन पिछड़ा वर्ग आयोग से कैसा ट्रिपल टेस्ट कराना चाहती है? आयोग की भी अपनी प्रक्रिया होती है। आयोग ट्रिपल टेस्ट का निर्णय तभी कर पाएगा जब वह पूरी तरह फंक्शन में आएगा। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार को नगर निकाय चुनाव में हार का भय सता रहा है।

विश्व में ऊर्जा का बड़ा निर्यातक बनेगा भारत : संजय सेठ

रांची। सांसद संजय सेठ ने प्रधानमंत्री सहज बिजली योजना के अंतर्गत देश के हर कोने तक विद्युत संरचना को स्थापित करने की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। साथ ही कहा कि भविष्य में भारत विश्व में ऊर्जा का बड़ा निर्यातक बनेगा। सांसद गुरुवार को आईएमए भवन में आयोजित बिजली उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) के अंतर्गत आज भारत के हर कोने तक बिजली पहुंच गई है। इस योजना को महज 6 सालों में क्रियान्वित किया गया है। साल 2015 से 2021 तक चली इस योजना के अंतर्गत न सिर्फ भारत के हर टोले तक बिजली पहुंचाने का काम केंद्र सरकार ने किया, बल्कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले नागरिकों को निशुल्क बिजली का कनेक्शन दिया।

उन्होंने कहा कि सौभाग्य योजना से 11 लाख 41 हजार लोग अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। केन्द्र सरकार की भविष्यवादी योजना, आरडीएसएस के बारे में सांसद ने कहा कि भारत आज ना सिर्फ बिजली का उत्पादन कर रहा है, बल्कि अपने तकनीक में सुधार कर रहा है। आज भारत विद्युत उत्पादन में 3200 करोड़ रुपये बचा रही है।

महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सिद्धू कान्हु के सपनों का झारखंड हमें बनाना है : रणधीर कुमार सिंह

चितरा। महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिद्धू कान्हु के सपनों का झारखंड हमें बनाना है ।इसके लिए हम सभी दिन रात मेहनत कर रहे हैं ।उक्त बातें सुबे के पूर्व कृषि मंत्री सह सारठ विधायक रणधीर कुमार सिंह ने हूल दिवस की पूर्व संध्या में सारठ प्रखंड के मोढाबाड़ी गांव में सिद्धू कान्हु के आदम कद प्रतिमा अनावरण के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा । उन्होंने आगे कहा कि हूल दिवस के अवसर पर पूर्व में हमारे विधानसभा क्षेत्र के अंदर मिट्टी की सिद्धू कान्हु की प्रतिमा स्थापित कर पूजन एवं माल्यार्पण करते थे। मैंने अपने कार्यकाल में दर्जनों जगह पर वीर शहीद सिद्धू कान्हु की प्रतिमा लगवाने का काम किया है। साथ ही सभी स्थानों पर एक सुंदर सा सेड भी बनवाया है। आज मोढाबारी गांव में वीर सिद्धू कान्हु सेड का उद्घाटन किया जा रहा है । साथ ही वीर सिद्धू कान्हु की आदमकद प्रतिमा का पूजन एवं माल्यार्पण किया गया। आदिवासी भाई बहनों के अपार प्रेम और स्नेह के बदौलत ही हम यह कर पा रहे हैं । साथ ही कहा की महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिद्धू कान्हु के सपनों का झारखंड हमें बनाना है। इसके लिए हम सभी लगे हुए हैं । तेजी से झारखंड का विकास हो। वीर शहीद सिद्धू कान्हु ने झारखंड के लिए जो सपना देखा था। उसे हम सभी मिलकर साकार कर पाए यही हम लोगों का मिशन होना चाहिए।

वहीं वीर सिद्धू कान्हु के प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर पहुंचे सुबे के पूर्व कृषि मंत्री सह सारठ विधायक रणधीर सिंह का आदिवासी समाज द्वारा गाजे बाजे के साथ परंपरागत तरीके से जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान मौके पर आलेश्वर मुर्मू,हेमलाल किस्कू, देवान किस्कू, दशरथ मुर्मू, बुधन सोरेन, एमबी मुर्मू ,रुसी लाल हेम्ब्रम, बाबूसर हेम्ब्रम, धनेश्वर मरांडी, मुन्ना मुर्मू,भूदेव मंडल, पुलिस हेम्ब्रम, जियालाल टूडू,रंजन दत्ता ,अक्षय दत्ता, दिलीप मंडल, विपिन किस्कू सहित अन्य उपस्थित थे।

हाथ मिलाने का अंदाज बताया है उम्र का राज

अगली बार जब आप से कोई हाथ मिलाये तो उसके हाथ मिलाने के अंदाज पर जरूर गौर करें खासतौर पर अगर कोई उम्रदराज व्यक्ति आपसे हाथ मिलाता है तो उसने हाथ कितनी गर्मजोशी से पकडा है इस बात पर ध्यान देना न भूलें क्योंकि हाथ मिलाने का यही अंदाज आपको संबंधित व्यक्ति के जीवन काल के बारें में जानकारी दे सकता है ।

कैनेडियन मैडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध के मूताबिक हाथ मिलातें वक्त वृध्दों की मांसपेशियों कमजोर होने के कारण अगर वे जोरदार तरिके से हाथ नहीं मिल पाते तो उनकी उम्र कम रहने की संभावना रहती है यानी हाथ मिलाने के अंदाज से मांसपेशियों की क्षमता का पता लगाया जा सकता है जिनकी मांसपेशियों कमजोर होती है वे हाथ मिलातें है समय दूसरें व्यक्ति के हाथ को ढंग से नहीं पकड पाते ऐसे लोगों की उम्र सूदृढ मांसपेशी वाले लोगों के मूकाबले कम होती है । इस अध्ययन के लिए नीदरलैंड के 555 ऐसे वृध्दों को चूना गया था जिनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक थी इसमें महिलाएं भी शामिल थी चार साल तक इन बूजूर्गों के जीवनकाल पर नजर रखी गई इस दौरान देखा गया कि ये सभ़ी वृध्द फिजीकली एक्टिविटी में कितना समय देता है स्वंय को चूस्त-दूरूस्त रखने के लिए इनकी रूटीन क्या है चार साल बाद बूजूर्गं 89 वर्ष के हो गए तब दोबारा डाटा कलेक्ट किया गया इस दौरान पता लगा कि 444 वृध्दों की मृत्यू हो चूकी है इनमें कूछके को छोड दिया जाए तो अधिकांश वही लोग शामिल थे जिन्होने हाथ बहूत ही कमजोर ढंग से मिलाया था मैगनीज के रिव्यूर डा. राजेश चौहान के अनूसार यह अध्ययन किसी भी देश -काल के लोगों पर लागू होता है हैंडग्रिप अच्छी न होना मांसपेशियां कमजोर होने का संकेत है खाने - पीने में कोताही न बरतें और फिजीकली एक्टिविटी के लिए पूरा समय दें।

सजावट में भी उपयोगी हैं नक्शे

रचनात्मक अक्सर अनापेक्षित स्थलों तथा चीजों से उपजती है इंटिरियर डैकोरेशन में भूगोल से ली गई प्रेरणा भी कूछ - कूछ ऐसी ही है क्लासिक रंगो वाली मैप डैकोर (नक्शों में से प्रेरित सजावट) किसी भी कमरें को क्लासिक लूक प्रदान करती है फन तथा स्टायलिश होने के साथ -साथ यह कमरें को निखारती है और शिक्षाप्रद भी साबिद होती है नक्शे हमें केवल प्रेरित ही नहीं करतें हैं ये घर बैठे - बैठे विभिन्न स्थानों में सैर करवा देते है। नक्शों में कूछ अनोखी खूबियां है जो उन्हें होम डैकोर के लिए इतना आकर्षक बनाती है वे माहौल को गम्भीरता तथा बूध्दिवाद प्रदान करतें है वे लायब्ररी ,स्टडी रूम, लिविंग रूम या बरामदे में कमाल के लगतें है जिन लोगों को सफर करने से प्यार है उनके लिए तो नक्शे वैसे भी जरूरी हो जाते।

किसी कमरें की सजावट में एक साथ हरें नीले भूरे या लाल जैसे अनेक रंग भरने के लिए भी वे बहूत उपयूक्त है चाहें तो इनके साथ सफेद जोड कर हल्के रंगो या नेवी ब्ल्यू को जोड कर गहरें रंगों वाली सजावट प्राप्त की जा सकती है नक्शों का एक अतिरिक्त लाभ बच्चों वाले घरों को मिलता है बच्चें लगातार देश - दूनिया के बारें में नई - नई चीजें सीख सकतें है इस प्रकार के उनके लिए बहूत शिक्षाप्रद होती है आजकल लोग अधिक सफर करतें है और वे अपने कमरो में भी भूगोल के निकट रहना पसंद करतें है यदि अब आप भी घर में नक्शों के प्रयोग के प्रति आश्रस्त हो चूके हैं तो जाने कि किस तरह घर कि सजावट में नक्शों का प्रयोग किया जा सकता है।

फ्रेमिंग

किसी कलाकृति की ही तरह मैप के फ्रेम करवाना इसे प्रदर्शित करने का सबसे सरल तथा उपयूक्त तरिका है मैप थीम पर आधारित अनेक जिग-सॉ पजल्स भी मिल जातें है किसी पजल को बना कर फ्रेम करवाया जा सकता है रोल होने वाले एक मैप को खरिद कर दीवार पर टांग कर भी काम चलाया जा सकता है।

रचनात्मक ढंग से प्रयोग

क्या आपने उन कूछ स्थानों के नक्शों को आज भी सम्भाल कर रखा हूआ है जहां आप जा चूके है? चाहे यह मैट्रो का मैप हो शहर का या डिजनी लैंड का ही मैंप क्यों न हो आप अपनी रचनात्मक का प्रयोग इनके साथ भी कर सकतें है कागज के नक्शें को टेबलटॉप ,दरवाजों ट्रे या बक्सों जैसी लकडी सतहों पर भी लगवाया जा सकता है रोचक छवि प्रदान करने के लिए कंटेनर्स को नक्शों से ढंका जा सकता है लैम्पशेड पर अपने किसी पसंदीदा स्थल का नक्शा लगा कर एक खास लूक प्राप्त की जा सकती है।

कार्टीग्राफी आर्ट

मैप्स ने कलाकारों को भी प्रेरित किया है वे अपनी कला के लिए नक्शों की कच्चें माल के रूप में इस्तेमाल कर सकतें है या नक्शों को विभिन्न विधियों में पेश कर लकते है पूराने एटलस से बीड नैकलेस बनाने से लेकर कई तरह से इनका प्रयोग किया जा सकता है कूछ लोगों को उन चाजों के बीच घिरा रहना पसंद रहता है जो उन्हें अचंभित करती है या आनंद प्रदान करती है जब कलाकार किसी वस्तू को नए रूप में पेश करतें है तो इन्हें लेकर लोगों में उत्सूकता पैदा होना भी स्वाभाविक होता है क्योंकि ये चीजें उन्हें चकित कर जाती है नक्शों को विभिन्न रूपों में प्रयोग करने पर भी ऐसा ही प्रभाव होता है।

नक्शों से प्रेरित एक्सैसरीज

आज जबकि लोग अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनूरूप चीजें तैयार करवाना पसंद करते है तो नक्शों में प्रयोग करने पर भी विभिन्न रूपों में किया जाने वाला है अह लोग इंटीरियर डैकोरेटर्स से इस संबध में अनोखी मांग करने लगे है कूछ लोग तो

अपने कमरों को दूनिया के नक्शें जैसी लूक ही देना चाहतें है तो कूछके नक्शों की हल्की -सी झलक के साथ अपने कमरों में क्लासी टच चाहतें है नक्शों का प्रयोग फ्लोर मैटस बैड शीट्स वॉलपेपर्स से लेकर कपबोर्डस के नोब्स तथा हैंडल्स तक में किया जा रहा है।

ग्लोब

मैप आर्ट की बात हो तो भला ग्लोब को कैसे भूला जा सकता है ? साधारण प्लास्टिक के ग्लोब से लेकर सजे -धजे ग्लोब्स तक ये अनगिनत रूपों में उपलब्ध हैं जो उद्देश से ग्लोब कई तरह से काम आ सकतें है जो व्यावहारिक उद्दश्यों की पूर्ति भी बखूबी करतें है स्टडी में रखा कोई टेबल या बूकशैल्फ इन्हें रखने के लिए उपयूक्त स्थल है बेशक घर में भूगोल में रूचि रखने वाला कोई व्यक्ति हो या स्कूल जाने वाले बच्चें हों तो ये उनके लिए कोई शिक्षाप्रद भी साबित होते है।

अंत में

दूसरें शब्दों में कहा जाए तो घर की सजावट में नक्शों से हर तरह के प्रयोग किए जा सकतें है ये भूगोल के किसी हिस्सें से हमारे जूडाव को पूख्ता तौर पर व्यक्त करतें है ये हमें अपने ग्रह तथा वैश्विक मूद्दों की याद भी दिलातें है बेशक ,ये हमारे यादगार सफर की याद भी तो दिलाते हैं।

क्विक होममेड ब्लैकबीन बर्गर

सामग्री -

1 बडा बर्गर बन (टूकडे किया हूआ) 3 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल ,अलग से ,2 टेबलस्पून चॉप्ड गार्लिक ,1 कैन ब्लैंक बीस (छलने में निथारी हूई), 1 टेबलस्पून लाइम रिंड , 3/4 टेबल स्पून मिर्च पाउडर , 1/2 टेबलस्पून नमक ,1 अंडा हल्का फैंटा हूआ

विधि -

1) क्रम्बस तैयार करने के लिए बन के टूकडों को फूड प्रोसैसर में 4 बार प्रोसैस करें ताकि कम से कम 1 कप क्रम्बस तैयार हो जाए। अब इसे बाऊल में निकाल लें।

2) फूड प्रोसैसर में 1 चम्मच ऑयल के साथ लहसून तथा बींस डालकर 8 बार चलाए ताकि बींस का एक गाढा पेस्ट तैयार हो जाए। एक बाऊल में इस मिश्रण के साथ क्रम्बस डालें। फिर लाइम रिंड तथा मिर्च पाउडर ओरीगैनो नमक तथा अंडा डाल कर मिलाएं। अब सूखे हाथो से मिश्रण को 4 बराबर हिस्सों मे बांटे। सबको 3 इंच की टिक्की का आकार दें। 3) एक बडें नॉनस्टिक पैन पर में 2 चम्मच ऑयल डालकर टिक्कियों को 4 मिनट के लिए हल्की आंच पर पकाएं ताकि वे किनारों और उपर -नीचे से पूरी तरह पक जाएं। आराम से पलटें और 3 मिनट के लिए फिर से पकाएं। अब टिक्की को एक बन में टोमैटो सॉस लैटिस लीव टमाटर स्लाइस चीज एवोकैडो तथा प्याज के साथ सजाकर सर्व करें। आपका बर्गर तैयार है। इसे आप 4 लोगों में सर्व कर सकती है।

दिल से नहीं दोस्ती इसकी

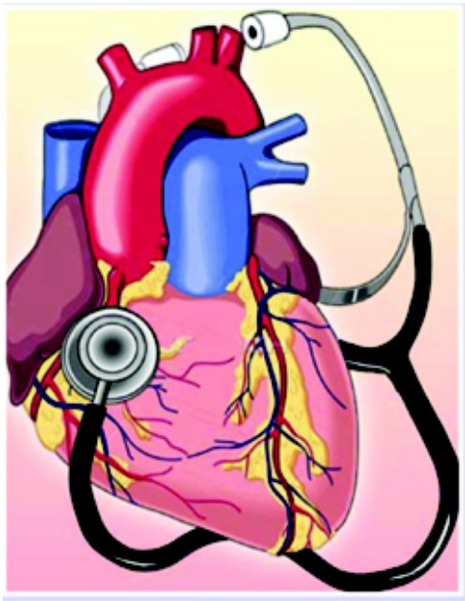

अगर आप सोचते है कि कद -काठी के हिसाब से आपका वजन और बी एम आई सही है इसिलिए आपको तोंदिल कमर की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं तो आपको अपनी सोच बदलनी होगी। क्योंकि अगर आप कमर के पास बढती चर्बी की अनदेखी करती है ,तो सावधान हो जाएं। एक नए अध्ययन में खूलासा किया गया है कि कमर के पास चार इंच की अतिरिक्त फैट होने से आपमें दिल की बीमारी होने का खतरा बढ जाता है।

बेठ इस्त्रालय डीकनेस मैडिकल सेंटर की अग्रणी शोधकर्ता एमिली लेविटन का कहना है कि बीएमआई कमर का घेहरा कमर और लंबाई का अनूपात लेने पर जाया गया कि कमर का ज्यादा होने से दिल की बीमारी का खतरा बढ जाता है। शोधकर्ता के अनूसार जिन महिलाओं के पेट के पास अतिरिक्त फैट होती है उन्हें दिल में बीमारी का खतरा 15 फीसदी बढ जाता है। वही तोंदिल पूरूषों में यह खतरा 16 फीसदी बढ जाता है। शोधकर्ताओं ने अपनी अध्ययन के लिए इससे पहले हूए दो शोधों पर गौंर किया।

उसमें 45 और 83 साल की आयू के बीच के 80 हजार से अधिक मरीजों की लंबाई वजन और उनकी कमर पर का माप लिया गया था। अध्ययन के निष्कर्षो में बताया गया कि तोंदिल होने से सामान्य बॉडी मास इंडैक्स (बीएमआई) वालें में भी दिल की बीमारी का खतरा 18 फीसदी बढ जाता है .। यह खतरा मोटापा के शिकार लोगों के बराबर होता है।

कैफीन शरीर में इंसूलिन की ग्लूकोज कंट्रोल करने की क्षमता को काफी कम कर देती है।

हेल्थ प्लस

छोटी, मगर काम का बातें

चाय का दाग दूर करने के लिए नींबू का रस लगाएं। कपडो से पान का दाग दूर करने के लिए कच्चा आलू रगडें। कपडो पर यदि जंग का दाग लग गया हो तो नींबू रगडें।

हल्दी के धब्बो को साफ करने के लिए ब्लीच का प्रयोग करें। फर्श पर यदि तेल गिर जाए तो उस जगह आटा या टैलकम पाऊडर डाल कर रगड दें फिसलन कम हो जाएगी। लैदर के सामन की चमक बरकरार रखने के लिए थोडी - सी वैसलीन लगा कर रूई से रगडें उसमें नई जैसी चमक आ जाएगी।

क्राकरी के दाग धब्बें मिटाने के लिए एक टब गर्म पानी में दो कप लिक्विड ब्लीच डाल कर उसमें क्राकरी डाल दें। धब्बें आसानी से साफ हो जाएगी। मिक्सी के ब्लेड तेज करनी हो तो दो चम्मच नमक डाल कर चला दें।

ब्लेड तेज हो जाएगा। फर्श पर नील मिले पानी से पोछा लगाने से सफेद टाइल्स जगमगा उठेंगे। यदि कूकर गया है तो नींबू पानी से धोएं फिर नमक डाल कर रगडें। कूकर चमक उठेगा। नमक के पैकेट में चावल के कूछ दाने डाल देने से नमक पसीजता नहीं है।

न्यूट्रिशन

आयेडिन - जीवनभर में एक व्यक्ति को केवल एक चम्मच आयोडिन के सेवन की जरूरत होती है, लेकिन फीर भी बहूत से लोगों में इसकी कमी पाई जाती है। आयोडिन की कमी से आयोडिन डैफिशिएंसी डिस - ऑर्डर (आईडीडी) होने की संभावना सबसे अधिक रहती है। आईडीडी दूनियाभर में मेटल रिटार्डशन और ब्रेन डैमेज का प्रमूख कारण है। हालांकि आईडीडी का उपचार नहीं किया जा सकता, पर आयोडिन से भरपूर खाद्य पदार्थो का सेवन करके इससे आसानी से बचा जा सकता है। आयोडिन की कमी से बच्चे की ग्रोथ और डैवलपमैंट पर भी बूरा असर पडता है। घेघा यानी गॉयटर होने की प्रमूख वजह भी आयोडिन की कमी ही है।

सॉर्स : आयोडाइज्ड नमक ,सी - फ्रूड ,अंडे ,मीट , डेयरी प्रॉडक्टस, दालें , हरी पत्तेदार सब्जियां ,(जिस मिट्टी में इन्हें उगाया गया उसमें मौजूद आयोडिन की मात्रा पर निर्भर करता है),आयोडिन सप्लीमैंट (आमतौर पर प्रैंगनेंट महिलाओं को इसे लेने की सलाह दी जाती है)

हर्बल हैरिटेज

हैल्दी स्किन के लिए- लैमन ग्रास का रोजाना इस्तेमाल करने से इम्यूनिटी हढती है। जोडों के दर्द, बदहज्मी और कमर के दर्द में भी यह फायदा पहूंचाती है। अगर आपकी स्किन ड्राई हो रही हो तो लैमन ग्रास से आपको जरूर लाभ होगा। ओटमील और लैमन ग्रास का फेसपैक आपके चेहरे के डैड स्किन सैल्स को साफ करके स्किन हैल्दी व ग्लोइंग बनाता है। विटामिन सी और एंटी - ऑक्सीडेंटस से भरपूर लैमनग्रास आपके शरीर में फ्री रैडिकल्स को खत्म करती है। एंटी ऑक्सीडेंटस एलडीएल यानी बूरे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करतें है और अच्छा कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल को बढाने में भी सहायता करतें है। फ्लू के कारण होने वाली बॉडीएक से भा यह राहत दिलाती है। चाय के साथ लेने से यह बूखार खांसी और कोल्ड कम कर सकती है।

न्यूट्रिशन । पोटाशियम -पोटाशियम एक जरूरी डायट्री मिनरल और इलैक्ट्रोलाइट है। यह किडनी के फंक्शसको सामान्य रखता है। यह मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम की वर्किंग सूचारू बनाए रखता है। खून और बॉडी टिश्यूज जैसे मांसपेशियों में पानी होता है। पोटाशियम इस पानी की मात्रा को सही रखने में मदद करता है। डायरिया ,वॉमिटिंग ,बहूत ज्यादा पसीना आना , किडनी के किसी रोग और कूपोषण के कारण शरीर में पोटाशियम की कमी हो जाता है। पोटाशियम की कमी के कारण पेट में गडबडी ,मांसपेशियों में कमजोरी व क्रैम्पस और अनियमित हार्टबीट की समस्या हो सकती है। आमतौर पर देखा गया है कि पोटाशियम की कमी डाइट के कारण नहीं होती , बल्कि यूरिन या आंत में बहूत ज्यादा पोटाशियम लूज करने के कारण होती है। पोटाशियम की कमी जानलेवा हो सकती है। केला ,ब्रोकली ,टमाटर ,छिलके समेत आलू , हरी पत्तेदार सब्जिंया , सिट्रस फ्रूटस ,ड्राई फ्रूटस इत्यादि पोटाशियम के बढिया स्त्रोत है।

गूणों का भंडार गूलाब

गूलाब का फूल रोजाना चबाने से मसूढे मजबूत होते है और उनसे खून आना बंद हो जाता है। सिर में दर्द हो तो इलायची के दाने एक चम्मच मिश्री तथा दस ग्राम गूलाब की पत्तियां पीसकर प्रात बासी मूंह खाने से दर्द धीरे -धीरे खत्म हो जाता है। मूंह में छाले हो गए हों तो गूलाब की पंखूडियों को पानी में उबाल कर उस पानी से दिन में 3-4बार गरारे करें। छालें ठीक हो जाएंगे। पूराने कब्ज में दो बडे चम्मच गूलकंद को चार-छ मूनक्का और आधा चम्मच सौंफ के साथ उबाल लें। जब पानी आधा रह जाता है इसका सेवन रात को सोते समय करें। हाथ- पैंरो में जलन हो रही हो तो चंदन में गूलाबजल मिला कर लेप करने से जलन कम हो जाती है। यदि गूलाबजल चेहरे पर लगाया जाए तो चेहरा गूलाब की तरह दमकने लगता है।

औषधि भी है पपीता

- पपीता केवल स्वादिष्ट ही नहीं गुणकारी भी होता है। यह कच्चे व पक्के दोनों रुपों में फायदा करता है।
- खाली पेट पपीता खाने से मंदाग्नि व अजीर्ण में लाभ होता है।
- पेट के कीडो को मारने के लिए पपीता लाभकारी है। इसके लिए कच्चे पपीते की सब्जी या रायता बनाकर देना चाहिए।
- हरे पपीते का दुध पित्तनाशक होता है। और यकृत ह्दय मुत्र व चर्म रोगों में लाभ पहुंचाता है। यह दिल्ली को बढाने से रोकता है। अजीर्ण डिप्थरिया आदि रोगों की दवा में हरे पपीते का दुध इस्तेमाल किया जा सकता है।
- बवासीर के रोगियों को सुबह खाली पेट पपीता खाने से लाभ होता है।
- पका पपीता चेहरे पर लगाने से सौंदर्य खिल उठता है और दाग-धब्बे मुहांसे झुर्रिया भी दुर हो जाती है।
- दाद खाज खुजली होने पर कच्चे पपीते कारस लगाने से बहुत लाभ होता है।
- पपीते की सब्जी भी बहूत गुणकारी होती है।

सुविचार

आपका ख़ुश रहना ही आपका बुरा चाहने वालों के लिए सबसे बड़ी सज़ा है।

मधुमेह का जाल

मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक नए विश्लेषण में यह दावा हैरान करने वाला है कि साल 2050 तक दुनियाभर में 1.3 अरब लोग मधुमेह से पीड़ित हो सकते हैं। अभी यह आंकड़ा करीब 50 करोड़ है। इस तरह अगले 30 साल में मधुमेह पीड़ितों की संख्या दोगुनी होने की आशंका है। इस आंकड़े पर सवाल उठाए जा सकते हैं, लेकिन यह सच है कि आज कई युवाओं में भी मधुमेह के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। कुछ दशक पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। आखिर क्या वजह है कि मधुमेह का रोग महानगरों से लेकर कस्बों और गांवों तक अपनी पकड़ बढ़ाता जा रहा है? यह जानना मुश्किल नहीं है। आज जीवनशैली, खानपान, कामकाज ... के तौर-तरीकों में बहुत बदलाव आ चुका है। शारीरिक श्रम कम होता जा रहा है। रसायनों के अंधाधुंध छिड़काव से तैयार खाद्यान्न में गुणवत्ता का अभाव है। फिर पढ़ाई, नौकरी में प्रतिस्पर्धा और दबाव बहुत बढ़ गया है। आयुर्वेद जैसे जीवन विज्ञान पर गर्व तो बहुत करते हैं, लेकिन उस पर अमल करने वाले कम रह गए हैं। देर रात तक जागना, मोबाइल फोन में व्यस्त रहना, सुबह देर से उठना, गरिष्ठ पदार्थों का सेवन ... इन सबसे शरीर रोगों का घर बनता जा रहा है। कोरोना काल में लोगों का रुझान योग, प्राणायाम, ध्यान, व्यायाम, सात्विक भोजन की ओर हुआ था। ब्रह्म मुहूर्त में उठना, रात 10 बजे तक सो जाना ... जीवन के लिए ईश्वर का आभारी होना ... अब इन सबका लोप होता जा रहा है। तनाव बढ़ गया है। रिश्तों में तनाव, मन में तनाव ... हर कोई एक अंतर्द्वंद्व से जूझ रहा है।

निस्संदेह आज बाजार में ऐसी कई औषधियां हैं, जो मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी हैं, लेकिन सबसे अच्छा उपाय तो बचाव ही है। अपनी दिनचर्या ऐसी बनाएं कि वह प्रकृति के अनुकूल हो। विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार योग, प्राणायाम और शारीरिक श्रम को जीवन का हिस्सा बनाएं।

उक्त शोध के मुख्य लेखक एवं यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के स्कूल ऑफ मेडिसिन में इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैलुएशन (आईएचएमई) में मुख्य शोध विज्ञानी लियान ओंग का यह कहना उचित है कि जिस गति से मधुमेह के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि दुनिया में प्रत्येक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए चुनौतीपूर्ण भी है। सभी वैश्विक मामलों में 96 प्रतिशत मामले 'टाइप 2' मधुमेह (टी2डी) के हैं। सर्वाधिक व्यापक गणनाओं की मानें तो रोग की मौजूदा वैश्विक प्रसार दर 6.1 प्रतिशत है, जो इसे मृत्यु एवं निशक्तता के 10 प्रमुख कारणों में से एक बनाती है। अध्ययन यह भी कहता है कि क्षेत्रीय स्तर पर यह दर उत्तर अमेरिका और पश्चिम एशिया में सबसे अधिक 9.3 प्रतिशत है, जो साल 2050 तक बढ़कर 16.8 होने की आशंका है। वहीं, लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देशों में यह दर 11.3 प्रतिशत है। निश्चित रूप से यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। भारत अपनी विशाल जनसंख्या के साथ उन देशों में शामिल है, जहां मधुमेह रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस रोग पर काबू पाने का उपाय क्या है? निस्संदेह आज बाजार में ऐसी कई औषधियां हैं, जो मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी हैं, लेकिन सबसे अच्छा उपाय तो बचाव ही है। अपनी दिनचर्या ऐसी बनाएं कि वह प्रकृति के अनुकूल हो। विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार योग, प्राणायाम और शारीरिक श्रम को जीवन का हिस्सा बनाएं। इसके साथ खानपान भी सात्विक और संतुलित होना चाहिए। अगर कामकाज की वजह से सुबह बहुत जल्दी नहीं उठ सकते तो सूर्योदय से कुछ पहले अवश्य उठ जाएं। स्वस्थ तन, मन और जीवन चाहिए तो हमें प्रकृति की ओर लौटना ही होगा।

ट्वीटर टॉक

कन्हैया लाल की हत्या को आज एक साल हो गए, पर तालिबानी मानसिकता वाली कांग्रेस सरकार की अकर्मण्यता के कारण उनको न्याय अभी तक नहीं मिला। कांग्रेस ने राजस्थान में सिर्फ तुष्टिकरण कर हिन्दुओं की आवाज़ दबाने का माहौल बनाने का काम किया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

एक तरफ चिडावा क़स्बा नाबालिग के अपहरण की घटना को ले कर बंद रहा, वहीँ दूसरी तरफ़ राजधानी जयपुर में मानसरोवर में युवती के साथ अभद्रता हुई। कांग्रेस के राज में राजस्थान में क़ानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है, महिलाएं गाँवों-शहरों-कस्बों कहीं भी सुरक्षित नहीं।

-दिया कुमारी

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। जहां दल से बड़ा देश हो, उस लोकतंत्र को मजबूत होने से भला कौन रोक सकता है? कार्यकर्ताओं को देशहित की यह भावना पार्टी की विचारधारा से मिली है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

अनूठी उदारता

भगवान श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ का आयोजन किया। अश्व का विधिवत पूजन करने के बाद उन्होंने अपने भ्राता शत्रुघ्न को सदल-बल अश्व के साथ रवाना कर दिया। भरत जी को देशभर से यज्ञ में भाग लेने आने वाले अतिथियों के स्वागत-सत्कार का दायित्व सौंपा गया। श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण से कहा, 'भैया, इस यज्ञ में आए हुए समस्त ऋषि-मुनि, संन्यासी, ब्राह्मण, राजागण, गृहस्थ, वानप्रस्थ लोगों आदि को पूर्ण संतुष्ट रखने का दायित्व तुम्हारा है। यज्ञ का आयोजक होने के नाते हमारा यह दायित्व है कि सभी को सेवा के जरिये प्रसन्न और संतुष्ट रखा जाए।

इसलिए अभ्यागत जो भी कामना करें, तुम उन्हें वह वस्तु मुझसे बिना पूछे ही दे देना। किसी को निराश नहीं करना। यज्ञ का एक उद्देश्य यह भी होता है कि प्रजा के तमाम लोग पूर्ण तृप्त और संतुष्ट हों।' कुछ क्षण रुककर श्रीराम ने कहा, 'यदि कोई तुमसे अयोध्या भी मांग ले, कामधेनु की इच्छा करे, मणि-माणिक्य की अभिलाषा व्यक्त करे तो भी उसे निराश करने की आवश्यकता नहीं है।' लक्ष्मण जी श्रीराम की उदारता देखकर हतप्रभ हो गए।

सामयिक

विष्णु के योग निद्रा में शयन का काल चातुर्मास

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलने वाली चार माह की अवधि चातुर्मास कहलाती है। चातुर्मास को चौमासा भी कहा जाता है। वर्ष के चार मास मुख्यतः अर्द्ध आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और अर्द्ध कार्तिक चातुर्मास कहलाते हैं। भारतीय संस्कृति में व्रत, भक्ति और शुभ कर्म के लिए प्रसिद्ध व पवित्र इन चार महीनों को चातुर्मास कहा गया है। चातुर्मास का प्रारंभ आषाढ़ शुक्ल एकादशी अर्थात देवशयनी एकादशी से होता है और अंत कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवोत्थान एकादशी से। ध्यान और साधना करने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण चातुर्मास काल में मनुष्य की शारीरिक और मानसिक स्थिति तो स्वस्थ, सबल होती ही है, वातावरण भी अच्छा रहता है। लेकिन इन चार माह के समय जहां मनुष्य की पाचनशक्ति कमजोर पड़ने लगती है, वहीं भोजन और जल में बैक्टीरिया की तादाद भी बढ़ जाती है। इसलिए चातुर्मास के आरम्भ के पहले सम्पूर्ण मास में व्यक्ति के लिए व्रत का पालन करना सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। चातुर्मास काल में विवाह संबंधी कार्य, मुंडन विधि, नाम करण आदि शुभ, मांगलिक कार्य वर्जित हैं, लेकिन इन दिनों भागवत कथा, रामायण, सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या एवं सत्य नारायण की पूजा आदि धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न किये जाते हैं।

चातुर्मास का हिन्दू के साथ ही अन्य धर्मों में भी महत्वपूर्ण स्थान है। हिन्दू धर्म में चौमासे में आने वाले अनेक महत्वपूर्ण पर्व -त्यौहार व अनुष्ठान विधिपूर्वक सम्पन्न किये जाते हैं। जैन धर्म में चौमासे के महत्व का पता इसी से चल जाता है कि आबाल, वृद्ध स्त्री- पुरुष सभी जैनी चातुर्मास काल में मंदिर जाकर विविध प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, सत्संग में भाग लेते हैं। गुरुवरों एवं आचार्यों द्वारा सत्संग किये जाते हैं। एवं मनुष्यों को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित किया जाता हैं। बौद्ध धर्म में भी चातुर्मास का विशेष महत्व है। गौतम बुद्ध के चौमासा की अवधि में राजगीर के राजा बिम्बिसार के शाही उद्यान में ठहरने की कथा अत्यंत प्रसिद्ध है। बौद्धों में अहिंसा का बहुत महत्व है। उष्ण कटिबंधीय जलवायु में बड़ी संख्या में कीट उत्पन्न होते हैं, जो यात्रा करने वाले भिक्षुकों द्वारा कुचल जाते हैं। यही कारण है कि साधु व बौद्ध गुरु बरसात में किसी एक स्थान पर रूक जाते हैं, और आमजन को सदुपदेश दिया करते हैं।

साधु- संत चातुर्मास की अवधि में हिंसा करने से बचने की कोशिश करते हैं। ऐसा वे जीवन के किसी भी रूप को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए करते हैं। बरसात के मौसम को कीड़ों के प्रजनन का समय माना जाता है। मान्यता है कि चातुर्मास की अवधि के दौरान किसी भी जीवन रूप को मारने से संतों को नुकसान हो सकता है। तदनुसार वे अपने आंदोलनों को प्रतिबंधित करते हैं। इस काल में भूमि शयन, ब्रह्म बेला में उठकर स्नानादि कार्य से निवृत हो ईश्वरभक्ति, वेदपाठ, भजन- कीर्तन, मौन व्रत पालन, एक समय भोजन आदि कार्य शुभ माने गये हैं। विवाह संस्कार, जातकर्म संस्कार, गृह प्रवेश आदि सभी मंगल कार्य पूर्णतः निषेध माने गये हैं। पौराणिक मान्यतानुसार चौमासा में किये गये शुभ कार्य का फल प्राप्त नहीं होता है। इसलिए इस काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। सनातन समाज में पालन किये जाने वाले कुछ नियम के कारण भी इसमें कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इस काल में किसी प्रकार के कोई भी मुहूर्त नहीं निकाले जाते है। यहां तक कि समाज के पुरोहित भी इस काल में कोई भी शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त निकालने से मना कर देते हैं। इस काल में नशीले पदार्थों का सेवन भी वर्जित है।

चातुर्मास की शुरूआत देवशयनी एकादशी से होती है, जो इस वर्ष 2023 में 29 जून को पड़ रही है, और इसकी समाप्ति 23 नवंबर को कार्तिक मास की एकादशी पर खत्म होगी। इस बीच सभी शुभ कार्य जैसे शादी समारोह आदि कार्य नहीं किये जाते हैं। क्योंकि उस समय विष्णु भगवान अपनी निद्रा में होते हैं। इसलिए चातुर्मास शुरू होने पर इनकी पूजा की जाती है, और उनके निद्रा से उठने पर ही शादी आदि मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। चौमासा के सभी माह त्योहारों से भरे होते हैं। चौमासा के समाप्त होते ही शादी, मुंडन आदि धार्मिक कार्य शुरू हो जाते हैं। देव उठनी एकादशी से ही विवाह कार्य प्रारंभ हो जाते हैं। इस दिन देवी तुलसी का विवाह होता है। कहीं- कहीं इसे छोटी दीवाली भी कहा जाता है।

चातुर्मास के सम्बन्ध में प्रचलित पौराणिक कथा के अनुसार एक बार योगनिद्रा ने भगवान विष्णु की कठोर साधना की, और विष्णु को प्रसन्न कर लिया। प्रसन्नतापूर्वक मंद- मंद मुस्कुराते भगवान विष्णु से वह बोली- आपने सभी को अपने अंदर स्थान दिया है। मुझे भी अपने अंगों में स्थान देने की कृपा करें। लेकिन विष्णु के शरीर में कोई भी ऐसा स्थान नहीं था जहां वह योगनिद्रा को स्थान दे सकें। उनके शरीर में शंख, चक्र, शार्गधनुष व असि बाहुओं में अधिष्ठित हैं, सिर पर मुकुट है, कानों में मकराकृत कुण्डल हैं, कन्धों पर पीताम्बर है, नाभि के नीचे के अंग वैनतेय (गरुड़) से सुशोभित है। ऐसे में विष्णु के पास सिर्फ नेत्र ही बचे थे, जिसमें वे किसी को स्थान दे सकते थे। इसलिए विष्णु ने योगनिद्रा को अपने नेत्रों में रहने का स्थान दे दिया और कहा कि तुम चातुर्मास के चार मास तक मेरे नेत्रों में ही वास करोगी। उसी दिन से भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक निद्रा अवस्था में रहते हैं। और इन चार मासों को चातुर्मास्य कहा जाता है। जिसमें सभी देवता प्रसुप्त अवस्था में रहते हैं। इसलिए इस काल को देवताओं के शयन का काल भी कहा जाता है।

इसी कारण इन चार महीनों में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। एक अन्य पौराणिक मान्यतानुसार चातुर्मास की अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था, और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टि ही दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। इसीलिए श्रीविष्णु अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। मान्यता है कि इस अवस्था में भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। एक अन्य मान्यता के अनुसार चातुर्मास के इन चार महीनों में भगवान शिव धरती का कार्य भार संभालते हैं। इसीलिए चार्तुमास में भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना किये जाने की परिपाटी है।

इस वर्ष 2023 में चातुर्मास की अवधि में ही श्रावण मास में अधिकमास भी पड़ रहा है। श्रावण मास अधिकमास होने के कारण इस वर्ष दो महीने के बराबर सावन मास होगा और तिथि के अनुसार उनसठ दिनों का यह सावन होगा। अधिकमास को पुरुषोतम मास भी कहा जाता है। अधिकमास तीन वर्ष में एक बार आता हैं, एवं गणना में अनुसार वह किसी भी महीने में आ जाता हैं। इस अधिक मास का भी चौमासा के समान ही महत्व है। इस वर्ष 2023 में कई वर्षों के बाद श्रावण मास में अधिकमास पड़ रहा है। इसलिए इस सावन का महत्व और अधिक बढ़ गया हैं।

नजरिया

2024 की जंग घोटालेबाजों के खिलाफ लड़ी जाएगी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचारी राजनीतिज्ञों पर बड़ा हमला बोलते हुए साफ़तौर पर एलान किया है की 2024 की लड़ाई घोटालों के खिलाफ खुली जंग है। एक तरफ घोटालेबाज़ खड़े है तो दूसरी तरफ घोटालेबाजों को जेल भेजने वाले। उन्होंने आरोप लगाया यह भ्रष्टाचारियों का कॉमन मिनिमम प्रोग्राम है। प्रधानमंत्री ने कहा है विपक्ष का महाजुटान घोटालों को छिपाने और जेल जाने से खुद को बचाना है जिसमे ये कभी सफल नहीं होंगे। इनमें कई नेता जेलों में बंद है, कई सजा यात्रा है तो बहुत से जमानत पर है। मोदी ने कहा कि अगर उनकी (विपक्ष) घोटालों की गारंटी हैं, तो मोदी की भी एक गारंटी है। मेरी गारंटी है कि हर घोटालेबाज पर कार्रवाई। हर चोर लुटेरे पर कार्रवाई की गारंटी. जिसने गरीब को लूटा है, देश को लूटा है, उसका हिसाब तो होकर होकर रहेगा। आज जब जेल की सलाखें दिख रही हैं। इस बैठक में शामिल दलों के इतिहास को देखेंगे, उन सबको मिला लें, तो कम से कम 20 लाख करोड़ के घोटालों की गारंटी है। कांग्रेस ने तो अकेले करोड़ों रुपये का घोटाला किया है। मोदी ने कहा, कांग्रेस के घोटाले अकेले ही लाखों-करोड़ों के हैं। एक लाख 86 हजार करोड़ का कोयला घोटला, 1.76 करोड़ का 2 जी घोटाला, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ घोटाला. मनरेगा, हेलिकॉप्टर से सबमरीन तक कांग्रेस के घोटाले ही घोटाले हैं। तमिलनाडु में डीएमके पर अवैध तरीके से संपत्ति बनाने का आरोप है। टीएमसी पर 23 हजार करोड़ से ज्यादा घोटाले के आरोप हैं। रोज वैली घोटाला, शारदा घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, गो तश्करी, कोयला घोटाला. बंगाल के लोग ये घोटाले कभी भूल नहीं सकते। एनसीपी पर पर 70 हजार करोड़ के घोटालों के आरोप हैं। कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला, अवैध खनन घोटाला आदि इनकी लिस्ट भी बहुत लंबी है।

आजादी के बाद अनेक बड़े घोटाले हुए मगर हमने उनसे कोई सबक नहीं सीखा। जनधन को लूटने दिया। कोई असरदार कार्यवाही नहीं होने से घोटालों की देश में बाढ़ सी आगयी। आजादी से अब तक देश में काफी बड़े घोटालों का इतिहास रहा है। इनमें जीप खरीदी (1948), साइकिल आयात (1951), मूंधड़ा मैस (1958), तेजा ऋण (1960), पटनायक मामला (1965) ,मारुति घोटाला, कुओ ऑयल डील, अंतुले ट्रस्ट, एचडीडब्लू दलाली (1987), बोफोर्स घोटाला (1987), इंडियन बैंक (1992), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, नागरवाला कांड (1971), देवराज अर्स (1975), चुरहट लॉटरी कांड (1982),सेंट किट्स घोटाला (1989), जैन हवाला डायरी कांड (1991),बाम्बे स्टाक एक्सचेंज घोटाला (1992), चीनी आयत (1994), जेएमएम सांसद घुसकांड (1995), यूरिया घोटाला (1996), सुखराम (1996), मैच फिक्सिंग (2000),बराक मिसाइल घोटाला (2001) चारा घोटाला(1996), तहलका, स्टॉक मार्केट ,स्टांप पेपर स्कैम सत्यम घोटाला और मनी लांडरिंग घोटाला प्रमुख है।

पंजाब नेशनल बैंक में हुए महाघोटाले के बीच एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। यह बात है बैंकों के दिवालिया होने की है। देश में 49 बैंक ऐसे हैं जो दिवालिया हो सकते हैं। इनमें 27 सरकारी बैंक और 22 प्राइवेट बैंक शामिल हैं। लंबे समय से एनपीए से जूझ रहे भारतीय बैंक दिवालिया होने के कगार पर हैं। यह बात आरटीआई में सामने आई है। भारतीय बैंक लगातार दिए गए कर्ज को डूबते खाते में डाल रहे हैं। पिछले 5 साल में बैंकों के 3 लाख 67 हजार 765 करोड़ रुपए राइट ऑफ के जरिए डूब गए हैं। वहीं, इससे कहीं ज्यादा रकम को बैड लोन की कैटेगरी में शामिल किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रिजर्व बैंक की तरफ से जो जानकारी मिली है उससे साफ है कि बैंक दिवालिया होने की तरफ बढ़ रहे हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2012 से सितंबर 2017 तक पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर बैंकों ने आपसी समझौते में कुल 367765 करोड़ की रकम राइट ऑफ की है। यह ज्यादातर रकम समाज के कथित प्रभावी और धनाढ्य लोगों की है। चोरी और सीना जोरी इनका हथियार है। कई घोटालेबाज देश छोड़कर विदेश भाग चुके है। जिन्हें वापस देश लाना महाभारत के सामान है। हम एक दूसरे पर आरोप लगाकर इन प्रकरणों को छोटा बना रहे है। घोटाले किसी भी शासन में हुए हो मगर इन्हें माफ नहीं किया जासकता। हमारी चौकसी और जागरूकता के आभाव में घोटालेबाज शेर हो रहे है।

मुद्दा

सामाजिक एकता बढ़ाएगा समान नागरिक कानून

सुरेश हिंदुस्थानी

मोबाइल : 9770015780

वर्तमान में समान नागरिक कानून की चर्चा बहुत ज्यादा है। होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व के अधिकांश देश समान कानून की अवधारणा को स्वीकार करते हैं। आज जो देश विश्व की महाशक्ति मानने का साहस रखते हैं, उन सभी देशों में कानून के नाम पर कोई समझौता नहीं किया जाता। भारत में कानून के नाम पर जो प्रावधान हैं, उनमें कई प्रकार की खामियां देखने को मिलती हैं। जो समाज में असमानता का भाव पैदा करने वाले कहे जा सकते हैं। विसंगति यह है कि मुस्लिमों के लिए जो पर्सनल कानून बनाए हैं, वे सामाजिक उत्थान और मुसलमानों को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का ही एक प्रयास था, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ है, यह हम सभी के सामने है। मुस्लिम समाज का कुछ वर्ग देश की वास्तविकता से परिचित होना नहीं चाहता।

इतना ही नहीं वह अभी तक भारत के उन संस्कारों से समरस नहीं हो सका है, जो मुगलों और अंग्रेजों से पहले से चले आ रहे हैं। भारत के मुसलमानों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि यह मुसलमान सनातन काल से भारत के ही हैं। वह अपना इतिहास खोजेंगे तो उन्हें इसके प्रमाण भी मिल जाएंगे। आज कई मुस्लिम अपने पूर्वजों द्वारा की गई गलतियों को सुधारने का प्रयास भी करने लगे हैं। वसीम रिजवी और जफर शेख ने इस पहल को गति देने का कार्य किया है। अभी मुस्लिम समाज को सुबह का भूला निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, लेकिन यकीनन वो शाम भी आ रही है, जिसमें सब घर लौटने की कवायद करेंगे।

समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ संस्थाओं द्वारा यह प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कानून भारत के मुस्लिमों के विरोध में है। जबकि इस पर गंभीरता पूर्वक मंथन किया जाए तो समान नागरिकता कानून मुस्लिमों के लिए बड़ा हितकारक ही सिद्ध होगा। हम जानते हैं कि आज देश का बहुत बड़ा मुस्लिम समाज मुख्य धारा से कटा हुआ है। इसके पीछे एक मात्र कारण देश की राजनीति को माना जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद राजनीतिक दलों ने मुस्लिमों के वोट प्राप्त करने के लिए तमाम तरीके से प्रलोभन देने का काम किया, यही प्रलोभन मुस्लिम समाज के विकास में बाधक बनकर सामने दिखाई दिया। अगर सारे समाज के लिए देश में एक समान कानून बन जाएगा तो स्वाभाविक रूप से समाज में भेदभाव भी समाप्त होगा, जो अपरिहार्य भी है। इसलिए अब देश के मुस्लिम समाज को स्वयं ही समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग करना चाहिए, जो न्यायोचित कदम होगा।

वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। समान नागरिक कानून समान व्यवहार करने वाला ही साबित होगा। ऐसा किया जाना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि निजी कानूनों के चलते समाज में भेदभाव की खाई लगातार गहरी होती जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक बार तलाक के एक प्रकरण में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया था कि समान नागरिक संहिता समय की जरूरत है।

हम जानते हैं कि गोवा में समान नागरिक संहिता लागू है और इस राज्य के किसी भी वर्ग को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उत्तराखंड में इसे लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। गोआ में समान नागरिक संहिता के होने से समाज को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। समस्या तो केवल उन राजनीतिज्ञों को है जो समाज में विभाजन की लकीर को बड़ा करना चाहते हैं। ऐसे राजनीतिज्ञों को विचार करना चाहिए कि जो काम गोवा में किया जा सकता है, वह शेष देश में क्यों नहीं हो सकता? राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि समान नागरिक संहिता न तो किसी के विरोध में है और न ही किसी के समर्थन में है। समान नागरिक संहिता देश के हर नागरिक नागरिक को समानता का अधिकार देता है।

जहां तक निजी कानूनों का सवाल है तो यह कहीं न कहीं समाज से दूर करने का बड़ा कारण ही सिद्ध हो रहा है। इन कानूनों से अगर किसी वर्ग को लाभ मिलता तो वह आज मुस्लिम समाज प्रगति कर चुका होता, जबकि वास्तविकता यही है कि अल्पसंख्यकों के नाम पर दी जाने वाली सरकारी सुविधाएं ही उनकी प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। हम जानते हैं कि सुविधाओं के सहारे किसी भी समाज को स्वावलम्बी नहीं बनाया जा सकता। लेकिन भारत में मुस्लिम पर्सनल कानून को लेकर जहां मुस्लिम समाज के पैरोकार समाज में भ्रम की स्थिति पैदा कर समाज को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने से वंचित कर रहे हैं, वहीं देश के कुछ राजनीतिक दल भी आग में घी डालने जैसा कृत्य करते हुए दिखाई देते हैं।

वास्तव में यह कदम कहीं न कहीं देश में वैमनस्यता को बढ़ावा देने का ही काम कर रहे हैं। जहां तक साम्प्रदायिक सद्भाव की बात है तो सभी धर्म और सम्प्रदाय के लोगों को एक दूसरे के रीति रिवाजों को समान भाव से सम्मान देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो सामाजिक समरसता के तमाम प्रयास महज खोखले ही साबित होंगे। भाजपा शुरू से ही इस पक्ष में रही है कि एक देश में एक ही कानून लागू होना चाहिए। किसी को भी पर्सनल लॉ के तहत काम करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। जो राजनीतिक दल इसे भाजपा या कांग्रेस के नजरिये से देखते हैं, उन्हें एक बार फिर से इस कानून को समझने का प्रयास करना चाहिए। अगर हम यह चिंतन भारतीय भाव से करेंगे तो स्वाभाविक रूप से यही दिखाई देगा कि समान नागरिक कानून देश और समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हम भारत के साथ काफी मजबूत रक्षा गठजोड़ चाहते हैं : मनालो

नई दिल्ली/भाषा

फिलिपीन के विदेश मंत्री एनरिक ए मनालो ने बुधवार को कहा कि उनका देश भारत के साथ काफी मजबूत रक्षा गठजोड़ विकसित करना चाहता है और भारत से सैन्य उपकरण खरीदने को ले कर आशान्वित है। फिलिपीन के विदेश मंत्री मनालो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है।

मनालो ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक से पहले यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फिलिपीन दक्षिण चीन सागर में अपने देश के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में चीनी मौजूदगी को बार बार चुनौती देता रहा है और आगे भी ऐसा करेगा। भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए मनालो ने कहा कि आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ) के 10 देश और चीन.. दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता तैयार करने में जुटे हुए हैं लेकिन वे इसके सकारात्मक परिणाम को लेकर निश्चित नहीं हैं। विश्व मामलों पर भारतीय परिषद

(आईसीडब्ल्यूए) के व्याख्यान कार्यक्रम में अपने संबोधन में फिलिपीन के विदेश मंत्री ने कहा कि इस संहिता को तैयार करने का मकसद दक्षिण चीन सागर में किसी भी तरह के सैन्य संघर्ष को रोकना है।

ज्ञात हो कि दक्षिण चीन सागर ऐसा क्षेत्र है जहां पर चीन, ताइवान, फिलिपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई जैसे देशों की ओर से क्षेत्र को लेकर अपने अपने दावे सामने आते रहे हैं।मनालो ने कहा, हम सुरंग को देख रहे हैं लेकिन हमें सुरंग के अंत में रौशनी की किरण नहीं दिखाई दे रही है। भारत को फिलिपीन का महत्वपूर्ण सहयोगी करार देते हुए मनालो ने कहा कि मनीला नौवहन सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जलवायु प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना चाहता है। गौरतलब है कि भारत और फिलिपीन के बीच रक्षा एवं सुरक्षा संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष जनवरी में फिलिपीन ने भारत के साथ ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की तीन इकाई की खरीद के लिए 37.5 करोड़ डॉलर का समझौता किया था।

भारत से सैन्य उपकरण खरीद के बारे में एक सवाल के जवाब में फिलिपीन के विदेश मंत्री ने कहा, हम भारत के साथ काफी मजबूत रक्षा सहयोग व्यवस्था विकसित करना चाहते हैं। हम कुछ संभावित सौदों को लेकर आगे बढ़े हैं और मैं समझता हूं कि हम आगे और सौदों को लेकर आशान्वित हैं। मनालो ने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में रक्षा गठजोड़ को निश्चित तौर पर एक उज्ज्वल आयाम मानते हैं। मैं दूर भविष्य की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि निकट के संदर्भ में कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि चीन के साथ उनके देश के संबंधों में सबसे बड़ी चुनौती फिलिपीन के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में चीन की मौजूदगी है। फिलिपीन के विदेश मंत्री ने कहा, हमने नियमित आधार पर चीन के समक्ष अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं लेकिन इसके साथ हम यह भी कहना चाहते हैं कि ये मतभेद ही चीन के साथ हमारे संबंधों का निचोड़ नहीं हैं। चीन के साथ हमारे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सम्पर्क हैं।

पूजा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को गुवाहाटी के कामाक्ष्य मंदिर में पूजा की।

नियुक्ति

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बुधवार को रांची के कौशल विकास कॉलेज में वितरित किये गये नियुक्ति पत्र दिखाते युवा।

गांधी परिवार ने दिखा दिया कि सच को दबाने के लिए वह किस हद तक जा सकता है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ कर्नाटक में प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर तीखा पलटवार करते हुए दावा किया कि गांधी परिवार ने फिर से इस बात का सबूत दिया है कि अगर उसे सत्ता मिले तो वह सच को दबाने के लिए किस हद तक जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी के खिलाफ अपनी पार्टी के आरोपों को दोहराया कि उन्होंने अपने अमेरिका दौरे पर संदिग्ध साख वाले लोगों के साथ मुलाकात की थी।

ईरानी के मुताबिक राहुल गांधी ने जिन लोगों से मुलाकात की थी उनमें अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के करीबी लोग भी शामिल थे, जो लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित भारत सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान भारतीय प्रवासियों के एक कार्यक्रम की मेजबानी में इस्लामिक सर्कल ऑफ नॉर्थ अमेरिका के तंजीम अंसारी की भागीदारी के लिए भी गांधी पर हमला बोला और कहा कि अंसारी का जमात-ए-इस्लामी के साथ संबंध है। पार्टी मुख्यालय में उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के एक प्रस्ताव में इससे पहले दक्षिण एशिया में सक्रिय धर्मशासित समूहों द्वारा लोकतंत्र के लिए उत्पन्न खतरे के बारे में चिंता व्यक्त की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव के एक हिस्से में इस्लामिक सर्कल ऑफ नॉर्थ अमेरिका और जमात-ए-इस्लामी के बीच संबद्धता के बारे में प्रकाश डाला गया है।

कांग्रेस शासित कर्नाटक में मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के संबंध में भाजपा के रुख के खिलाफ प्राथमिकी के संबंध में सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने एक बार फिर सबूत दिया है कि अगर उसे सत्ता मिलती है तो वह सच को दबाने के लिए किस हद तक जा सकता है।

मालवीय द्वारा किए गए एक ट्वीट के सिलसिले में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सदस्य रमेश बाबू ने यह शिकायत दर्ज कराई थी। ट्वीट के साथ साझा किए गए एक एनीमेटेड वीडियो में कथित रूप से राहुल गांधी और कांग्रेस को खराब तरीके से दर्शाया गया है। ईरानी ने कहा कि कांग्रेस ने अभी तक यह नहीं बताया कि राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सुनीता विश्वनाथ से मुलाकात की थी।

फिलीपीनः नौकरी के लिए साइबर अपराध गिरोह के झांसे में फंसे 2700 कामगारों को मुक्त कराया गया

मनीला/एपी

फिलीपीन पुलिस ने चीन, फिलीपीन, वियतनाम, इंडोनेशिया और 12 से अधिक अन्य देशों के 2,700 से अधिक उन कामगारों को मुक्त कराया, जिनके साथ धोखाधड़ी करने वाली ऑनलाइन गेमिंग साइट और अन्य साइबर अपराध समूहों ने नौकरी देने के नाम पर ठगी की।

पुलिस ने कमांडो के साथ मिलकर महानगर मनीला के लास पिनास शहर में सात इमारतों से पीड़ितों को मुक्त कराया।

पुलिस ने बताया कि इस साल यह सबसे बड़ी छापेमारी है और एक बार में सबसे ज्यादा लोग मुक्त कराए गए। फिलीपीन पुलिस की साइबर अपराध रोधी इकाई के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल सिडनी हर्निया ने बताया कि पुलिस ने लास पिनास में मध्यरात्रि में इमारतों में छापेमारी की और तलाशी ली। उन्होंने बताया कि फिलीपीन के 1,534 लोगों और 1,190 विदेशियों को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि 17 देशों के नागरिकों में 604 चीनी, 183 वियतनामी, 137 इंडोनेशियाई, 134 मलेशियाई और 81 थाई शामिल थे। उन्होंने बताया कि म्यांमा, पाकिस्तान, यमन, सोमालिया, सूडान, नाइजीरिया और ताइवान के भी कुछ लोगों को मुक्त कराया गया।

कुछ कामगारों ने अधिकारियों को बताया कि जब उन्होंने नौकरी छोड़ने की कोशिश की तो उन्हें अस्पष्ट कारणों से भारी रकम देने के लिए मजबूर किया गया या उन्हें डर था कि उन्हें अन्य सिंडिकेट को बेच दिया जाएगा।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक कामगारों को नियमों के कथित उल्लंघन के लिए जुर्माना भरने को भी मजबूर किया गया।

लगातार सामने आ रहे इस तरह के मामलों से संकेत मिलता है कि फिलीपीन साइबर अपराध गिरोह के संचालन का एक प्रमुख अड्डा बन गया है।

आजादी के 76 वर्ष पूरे होने पर विशेष ट्रेन चलाएगी रेलवे

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे देश की आजादी के 76 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाएगी जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े अनेक स्थानों से गुजरेगी। रेलवे ने एक बयान में कहा कि आजादी की अमृत यात्रा 22 अगस्त को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और गुजरात में अहमदाबाद, केवडिया और सूरत, महाराष्ट्र में शिरडी और नासिक तथा उत्तर प्रदेश में झांसी जाएगी।

आठ रात और नौ दिन की इस ट्रेन यात्रा में पहला पड़ाव अहमदाबाद में होगा जहां महात्मा गांधी रहे थे और जो स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र था। इस ट्रेन के यात्री साबरमती आश्रम, दांडी कुटीर और अक्षरधाम मंदिर भी जाएंगे। रात्रि विश्राम के बाद ट्रेन एकता नगर रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान करेगी जो केवडिया से जोड़ता है। यहीं नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध है और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी है। रेलवे ने बयान में कहा कि पर्यटक रातभर सफर के बाद गुजरात के दूसरे सबसे बड़े शहर सूरत पहुंचेंगे। यहां लोग बारदोली में सरदार पटेल संग्रहालय और दांडी बीच पर राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह संग्रहालय देखने जाएंगे। इसके बाद ट्रेन लोकमान्य तिलक के शहर पुणे पहुंचेगी जहां यात्री आगा खां पैलेस का दीदार कर सकेंगे।

'फाइटर' में वायुसेना पायलट की भूमिका में नजर आयेंगे अक्षय ओबेरॉय

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय ओबेरॉय फिल्म 'फाइटर' में वायुसेना के पायलट की भूमिका में नजर आयेंगे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की मुख्य भूमिका है। अक्षय ओबेरॉय भी फाइटर मे अहम भूमिका निभाते नजर आयेंगे। अक्षय ओबेरॉय फाइटर में वायुसेना के पायलट की भूमिका में नजर आयेंगे। अक्षय ओबेरॉय ने फाइटर में अपनी भूमिका के लिये 10 किलोग्राम वजन बढ़ाया है। अक्षय ओबेरॉय ने बताया मैं फिल्म फाइटर की शूटिंग से पहले और उसके दौरान बड़े पैमाने पर काम कर रहा हूं। मुझे मांसपेशियां बढ़ाना था, जिसके लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से खुद को प्रशिक्षित किया। मुझे वायुसेना पायलट की भूमिका के लिए उपयुक्त दिखने के लिए व्यापक शारीरिक ढांचे की जरूरत थी। मांसपेशियां हासिल करने के लिए उन्होंने बीच-बीच में कार्डियो के साथ शक्ति प्रशिक्षण किया। मैं एक वायुसेना अधिकारी की भूमिका निभा रहा हूं और उसकी शारीरिक उपस्थिति चरित्र के अनुरूप होनी चाहिए और इसलिए मैंने इस परिवर्तन से गुजरने का बीड़ा उठाया, क्योंकि यह एक आवश्यकता थी। मुझे कई महीनों तक कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा।

'इमरजेंसी' ने मुझे भारत के असली इतिहास से कराया रूबरू : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर कंगना रनौत अपनी अपकमिंग निर्देशित फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करने से उन्हें भारत के असली इतिहास की गहरी जानकारी हासिल हुई है।'इमरजेंसी', जिसमें कंगना ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है, 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल की घटनाओं पर आधारित है, जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे काले समय में से एक माना जाता है।

इस दौरान प्रेस की स्वतंत्रता सहित सभी नागरिक अधिकारों पर अंकुश लगा दिया गया था।कंगना ने कहा कि 'इमरजेंसी' के फिल्मांकन के दौरान, 1975 में घटी घटनाओं के बारे में जानने से मुझे भारतीय इतिहास की गहरी समझ मिली। लोग इसे भारतीय इतिहास का सबसे काला दौर कहते हैं। लेकिन, बहुत से लोगों को यह समझ नहीं आता कि इंदिरा जी ने यह फैसला क्यों लिया। फिल्म के साथ, मैं कहानी के उस पक्ष को भी सामने लाने की इच्छा रखती हूं। मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद बहुत से लोग उन घटनाओं को एक अलग नजरिए से देखेंगे।फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत 'इमरजेंसी' का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है और इसकी पटकथा रितेश शाह ने और कहानी उन्होंने खुद लिखी है। यह फिल्म 24 नवंबर 2023 को रिलीज होने वाली है।

अमीषा पटेल ने दरगाह में चढ़ाई चादर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल अपनी आने वाली फिल्म गदर 2 की रिलीज के पहले मुंबई के माहिम दरगाह पहुंचीं, जहां उन्होंने चादर चढ़ा कर सजदा किया। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी। 22 सालो के बाद गदर की सीक्वल 'गदर 2' रिलीज होने जा रही है। गदर 2 की रिलीज के पहले अमीषा मुंबई के माहिम दरगाह पहुंचीं, जहां उन्होंने चादर चढ़ा कर सजदा किया।

इसी दौरान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में अमीषा ब्लैक अनारकली सलवार सूट में नजर आ रही हैं। सर पर दुपट्टा लिए अमीषा काफी खूबसूरत लग रही हैं। 'गदर 2,11 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में सनी देओल के साथ अमीषा , उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा नजर आएंगे।

सेंसर बोर्ड ने '72 हूरें' के ट्रेलर को प्रमाण पत्र देने से इनकार किया

मुंबई/भाषा

फिल्म 72 हूरें के सह-निर्माता अशोक पंडित ने मंगलवार को कहा कि सेंसर बोर्ड ने सात जुलाई को रिलीज होने वाले फिल्म के ट्रेलर को प्रमाण पत्र प्रदान करने से इनकार कर दिया है। संजय पूरन सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म में पवन मल्होत्रा और आमिर बशीर ने मुख्य भूमिका निभाई है और यह हिंसक चरमपंथ के परिणामों पर आधारित है। पंडित ने एक वीडियो संदेश में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष प्रसून जोशी से सेंसर बोर्ड से उन लोगों को हटाने की अपील की, जो हमारी रचनात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छीनने की कोशिश कर रहे हैं।

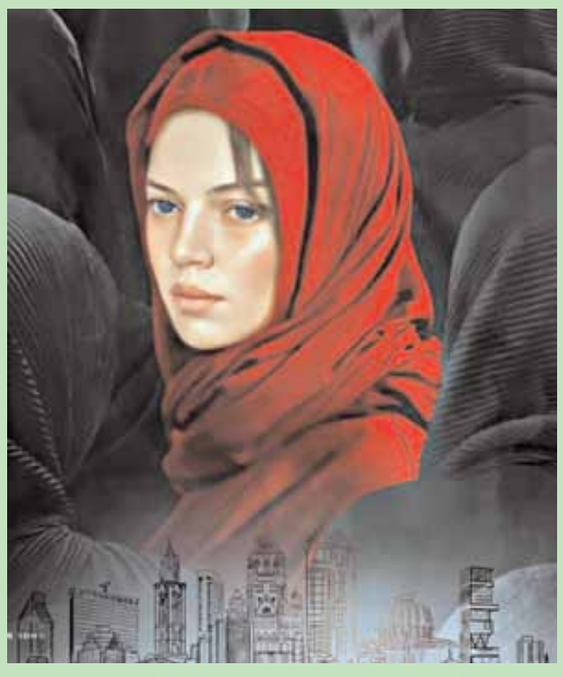

पंडित ने डेढ़ मिनट के वीडियो में कहा, हम, '72 हूरें' फिल्म के निर्माता काफी हैरान और परेशान हैं क्योंकि सेंसर बोर्ड ने आज हमें हमारे ट्रेलर के लिए प्रमाणपत्र देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह काफी हास्यास्पद और दुखद है कि एक फिल्म, जिसने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है, एक फिल्म जिसने आईएफएफआई (भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव) में पुरस्कार जीता है। उसके दृश्य वही हैं जो उस समय फिल्म में थे, इसमें केवल ट्रेलर नया है। एक ओर जहां आपने फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया है, वहीं दूसरी ओर आप फिल्म के ट्रेलर को प्रमाण पत्र देने से इनकार कर रहे हैं।

जोशी से इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किये जाने पर तत्काल कोई जवाब नहीं मिल पाया है। गोवा में 2019 में आईएफएफआई की भारतीय पैनोरमा श्रेणी के तहत 72 हूरें का प्रीमियर किया गया था, जहां इसे 'आईसीएफटी-यूनेस्को गांधी मेडल स्पेशल मेंशन' प्राप्त हुआ था। 2021 में, चौहान को फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

सीरीज 'माया बाजार फॉर सेल' 14 जुलाई से 'जी5' पर होगी प्रसारित

मुंबई/भाषा

तेलुगु सीरीज 'माया बाजार फॉर सेल' 14 जुलाई से ओटीटी मंच 'जी5' पर प्रसारित की जाएगी। अभिनेता राणा दग्गुबाती की निर्माण कंपनी 'स्पिरिट मीडिया' के सहयोग से इसका निर्माण किया गया है। गौतमी चल्लागुल्ला इसकी लेखक व निर्देशक हैं। सीरीज में नवदीप पल्लापोलु, ईशा रेब्बा, नरेश विजया कृष्णा, हरि तेजा, झांसी लक्ष्मी, मियांग चेंग, सुनैना और कोटा श्रीनिवास राव जैसे कलाकार नजर आएंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'माया बाजार फॉर सेल' कई परिवारों की कहनी है, जो 'माया बाजार' नाम की सोसाइटी के 'महंगे विला' में रहने आते हैं। सरकार द्वारा इस निर्माण को अवैध घोषित किये जाने के बाद शांतिपूर्ण जीवन जीने की उनकी इच्छा पर पानी फिर जाता है। 'जी5' के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मनीष कालरा ने बताया कि यह धारावाहिक लोगों के मनोरंजन के लिए एक नई कहानी लेकर आया है। 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच पर इंटरनेट के माध्यम से फिल्म व अन्य डिजिटल सामग्री (कंटेंट) उपलब्ध कराई जाती है।